प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 वर्ष : 03, अंकः 04 पृष्ठः 08, मूल्यः रू. 2.00 शनिवार, 14 जून 2025 lokparerna@gmail.com +91-9255149495

विमान हादसा: रिटायर्ड जज से कराई जाए जांच: खरगे

'विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं, शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला'

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दुख जताया है। उन्होंने हादसे की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस समेत सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं से घायलों और मृतकों के परिवारों की मदद करने की अपील की। खरगे ने कहा कि सरकार पीड़ितों को वित्तीय और चिकित्सा सहायता सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की पूरी जिम्मेदारी ले। सरकार को यह तय करना चाहिए कि सभी घायलों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार मिले। उन्होंने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए घटना की उच्च स्तरीय जांच की भी मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को या तो सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा जज या रिटायर्ड जज से जांच करानी चाहिए ताकि पता चल सके कि यह दुर्घटना क्यों हुई और इसका कौन जिम्मेदार है। खरगे ने दावा किया कि पायलट पर निर्धारित प्रस्थान समय से पहले उड़ान भरने का कथित दबाव था। केवल जांच से ही सच्चाई सामने आएगी।

शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला

कांग्रेस ने अहमदाबाद में गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को असंवेदनशील" करार दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अमित शाह की दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता वाली टिप्पणी त्यागपत्र है। जब कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त होता है और लोग मरते हैं, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा तो कर ही सकते हैं, न कि कंधे उचकाकर भाग्य पर भाषण दे सकते हैं। कोई भी दुर्घटना को नहीं रोक सकता एक त्यागपत्र है। अगर कुछ भी नहीं रोका जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय क्यों हैं। खेड़ा ने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं - उन्हें रोका जा सकता है।

इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट प्रतिक्रिया प्रणालियां हैं। गृह मंत्री के तर्क के अनुसार क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन या संकट की तैयारी में निवेश करना बंद कर देना चाहिए। इसे भाग्य पर छोड़ दो और इसे खत्म कर दो? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री को अब यही कहना चाहिए? यह अत्यंत असंवेदनशील है।

शाह ने यह कहा था

शाह ने गुरुवार को कहा कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान में ईंधन जलने के कारण तापमान इतना अधिक था कि किसी को बचाने की कोई संभावना नहीं थी।

पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया

अहमदाबाद पुलिस ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मेघाणीनगर थाने द्वारा बृहस्पतिवार शाम दर्ज की गई आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट के अनुसार, उसे दुर्घटना और उसके बाद लगी आग की सूचना अपराह्न करीब एक बजकर 44 मिनट पर मिली। पुलिस शिकायत में कहा गया है कि अग्निशमन अभियान के दौरान पुलिस को पता चला कि अधिकतर यात्री और चालक दल के सदस्य जलकर मर गए थे और उनके शवों को एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल ले जाया गया।

साथ ही चिकित्सकों के आवास में रहने वाले लोगों की भी हादसे में मौत हो गई। उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी ध्रुमित गांधी ने शुक्रवार को कहा, हमारा राहत एवं बचाव अभियान सुबह समाप्त हो गया और घटनास्थल को फॉरेंसिक विशेषज्ञों तथा नागर विमानन अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

क्रैश साइट पर पहुंची एनआईए

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने भी क्रैश साइट का दौरा किया। वहीं, अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने कहा है कि वे एक जांच टीम भारत भेज रहे हैं जो अअक्ह को इस हादसे की जांच में सहायता करेगी। विमानन विशेषज्ञों ने कहा कि ब्लैक बॉक्स की जांच पूरी होने के बाद ही असली वजह सामने आ सकेगी। विशेषज्ञ सरोज दमाडिया ने कहा, तकनीकी गड़बड़ी, फ्लैप या इंजन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए ब्लैक बॉक्स की रिकॉर्डिंग से जो डाटा मिलेगा, वही असल कारण बताएगा।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने अहमदाबाद में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने शुक्रवार को अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि दोनों देश एअर इंडिया विमान दुर्घटना के तथ्यों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं जिसमें 52 ब्रिटिश नागरिकों सहित 265 लोग मारे गए है। कैमरन ने सोशल मीडिया मंच एक्सपर एक पोस्ट में कहा, मैंने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। हमने इस दुखद हादसे पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और अहमदाबाद में अथक प्रयास करने वाले प्रथम प्रतिक्रिया दल के काम के लिए धन्यवाद दिया। ब्रिटेन और भारत तथ्यों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

बिहार सरकार की निविदा में अनियमितता से जुड़े मामले में ईडी की कई राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में राज्य सरकार की निविदा में अनियमितताओं की शिकायत पर धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। ईडी के मुताबिक पटना के ठेकेदार रिशु श्री के मामले में 12 जून को पटना, मुजफ्फरपुर (बिहार), सूरत (गुजरात) और पानीपत (हरियाणा) स्थित 09 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। धन शोधन का ये मामला बिहार सरकार की विशेष सतर्कता इकाई (सीवीयू) की ओर से रिशु श्री और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से संबद्ध है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इस ठेकेदार की कंपनियां बिहार सरकार के कई विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी विकास, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम, शिक्षा, भवन एवं निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग में अनुबंध और उप-अनुबंध हासिल करती हैं। ईडी ने मार्च में इस मामले में कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी करके 11.64 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने ह्यएक्सह्न पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त

एअर इंडिया के विमान की बम की धमकी के बाद थाईलैंड में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

थाईलैंड के फुकेट से भारत की राजधानी नई दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान अक-379 में शुक्रवार को बम की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। इस विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।

विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बम की धमकी मिलने के बाद एअर इंडिया के विमान की थाईलैंड में आपात लैंडिंग हुई है। थाईलैंड एयरपोर्ट के एक अधिकारी के मुताबिक आपातकालीन योजना के अनुरूप एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 379 के सभी 156 यात्रियों को विमान से बाहर निकाल लिया गया है। प्रारंभिक तलाशी के बाद अधिकारियों को संबंधित एअर इंडिया के विमान के अंदर कोई बम नहीं मिला है। हालांकि, एओटी ने बम की धमकी के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

एअर इंडिया ने टिप्पणी के अनुरोध का फिलहाल जवाब नहीं दिया है। फ्लाइट ट्रैकर यानी फ्लाइट रडार 24 के अनुसार विमान ने आज सुबह 9.30 बजे फुकेत हवाई अड्डे से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी, लेकिन अंडमान सागर के चारों ओर एक विस्तृत चक्कर लगाया और दक्षिणी थाई द्वीप पर वापस उतर गया। हवाईअड्डा आपातकालीन योजनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की अंबानी परिवार को सुरक्षा देने संबंधी याचिका, याचिकाकर्ता को फटकार

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी परिवार को जेड प्लस सिक्योरिटी के खिलाफ बार-बार याचिका दायर करने पर याचिकाकर्ता को फटकार लगाई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने कहा कि किसे सुरक्षा मिलनी चाहिए और कैसी सुरक्षा मिलनी चाहिए, यह देखना कोर्ट का काम नहीं है। यह काम सरकार का है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह भविष्य में ऐसी याचिकाएं दायर करते हैं, तो कोर्ट उन पर जुमार्ना लगाने के लिए बाध्य होगा। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट यह निर्णय नहीं कर सकता कि किसे और क्या सुरक्षा दी जानी है। यह केवल केंद्र और राज्य सरकार का काम है, जो विभिन्न एजेंसियों की ओर से किए गए खतरे के आकलन के आधार पर फैसला करते हैं कि क्या एहतियाती कदम उठाया जाए।

यह याचिका विकास साहा ने दायर की थी। याचिकाकर्ता ने फरवरी, 2023 में ऐसी ही एक निस्तारित याचिका पर स्पष्टीकरण मांगा था, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा रद्द करने की उनकी याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि इस मामले में उनका कोई अधिकार नहीं है।

उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्स: जेपी नड्डा

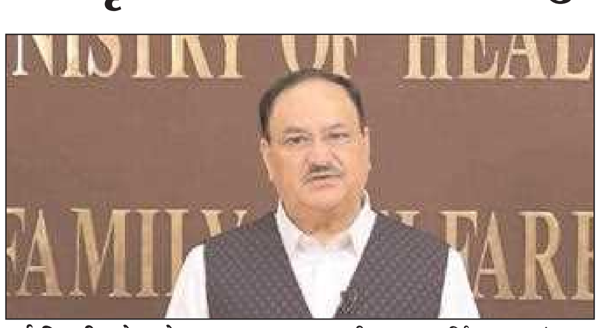

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है।

प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। जेपी नड्डा शुक्रवार को नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित सर्वोत्तम प्रथाओंह्व पर सम्मेलन के पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया।

सोना फिर एक लाख रुपये के पहुंचा पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपये के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सरार्फा बाजार में शुक्रवार को कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 2,200 रुपये उछलकर 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई। चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ने से सोने के दाम में तेजी रही। एमसीएक्स पर सोना आज 1,108 रुपये यानी 1.12 फीसदी बढ़कर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि गुरुवार को सोना 98,392 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

अमरावती पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में पत्रकार श्रीनिवास राव को जमानत

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

सुप्रीम कोर्ट ने एक लाइव टीवी शो में आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में पत्रकार के. श्रीनिवास राव को जमानत दे दी है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच के राव को रिहा करने का आदेश दिया। 70 वर्षीय पत्रकार श्रीनिवास राव को 9 जून को गिरफ्तार किया गया था। राव पर आरोप है कि उनके एक टीवी शो में 6 जून को एक पैनलिस्ट ने अमरावती को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा कि श्रीनिवास ने खुद टीवी के लाइव शो में ऐसा बयान नहीं दिया था। याचिका में कहा गया था कि बतौर पत्रकार श्रीनिवास की अभिव्यक्ति के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। हालांकि कोर्ट ने श्रीनिवास राव से कहा कि वो अपने शो में अपमानजनक टिप्पणी नहीं करें और किसी को ऐसा करने की अनुमति भी नहीं दें।

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और व्यापक जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय अनिवार्यताएं नहीं हैं। वे भारत के लिए नवाचार, प्रतिभा और उद्यम के माध्यम से नेतृत्व करने के लिए एक पीढ़ीगत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं।" मंत्रालय के अनुसार ग्रीन स्किल्स और ईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को हरित ऊर्जा और ई-मोबिलिटी में भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से लैस करना है। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब सरकार अपनी नेट-जीरो महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हरित ऊर्जा और ईवी अपनाने को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय की महानिदेशक त्रिशालजीत सेठी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ यह साझेदारी हमारे आईटीआई और एनएसटीआई में अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम लाने की दिशा में एक केंद्रित पहल है। वहीं, भारत के हरित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के अनुरूप यह पहल तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा क्षेत्र में प्रमाणन, नियोजन सहायता और हरित रोजगारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। उल्लेनीय है कि इन राष्ट्रीय प्रयासों को पूरक बनाते हुए दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को तेज करने, स्थानीय ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने और हरित रोजगारों का सृजन करने के लिए अपनी स्वयं की ईवी नीतियां पेश की हैं। ये विकास हरित ऊर्जा और ईवी क्षेत्रों में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हैं।

लोक प्रेरणा

Email- lokprerna@gmail.com

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर एसडीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

लोक प्रेरणा

लोहारू। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के आयोजन को लेकर एसडीएम मनोज दलाल ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में एसडीएम ने बताया कि 21 जून को चौधरी देवीलाल स्टेडियम में उपमंडल स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने व भव्य रूप देने के लिए उपमंडल स्तर पर तैयारियों को लेकर एसडीएम मनोज दलाल ने समीक्षा की तथा कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। बैठक के दौरान एसडीएम मनोज दलाल ने विभिन्न विभागों को योग दिवस कार्यक्रम में जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व पटल पर पहचान बने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रतीक है, इसलिए इसकी गरिमा के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एसडीएम ने शिक्षा विभाग, आयुष विभाग, नगर पालिका, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंच, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, पार्किंग और सुरक्षा जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। एसडीएम ने कहा कि योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। योग के प्रति प्रेरित करने के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, सामाजिक संगठनों और आमजन से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। बैठक में एसएमओ डॉ संजीव गोयल, आयुर्वेद से विजय कुमार, एसडीएओ डॉ ईश्वर सिंह, एडीओ विनोद सांगवान, चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश चहल, आईटीआई के प्राचार्य पंजाब सिंह, खाद्य आपूर्ति विभाग से सज्जन कुमार, एसडीओ मनोज कुमार, एसईपीओ दीपक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्मी के मौसम में पशुओं में बढ़ रही हीट स्ट्रोक व बंधे की बीमारी-तेज गर्मी, हरा चारा न मिलने व नई तूडी के प्रयोग से बढ़ी समस्या

अमित वालिया, सतनाली

राजस्थान की सीमा से सटे दक्षिण हरियाणा के सतनाली व आसपास के क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से चल रही गर्म हवाओं और बढ़ते तापमान ने लू का रूप लिया हुआ है। इसका दुष्परिणाम लोगों के अलावा पशुओं पर भी पड़ रहा है। तेज गर्मी के कारण पशु हीट स्ट्रोक का शिकार होकर बीमार हो रहे हैं। इस दौरान पशुओं में होने वाले डिहाइड्रेशन के कारण पशुओं का तापमान बढ़ रहा है। इसमें पशु चरना छोड़ रहे हैं और उनमें दूध की भी कमी हो रही है। देखा जाए तो सतनाली क्षेत्र सहित पूरे जिले में मई से ही तापमान में बढोतरी चल रही है। इस दौरान यहां का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दूसरी ओर पशु हो या इंसान उनके लिए 37 डिग्री तापमान सामान्य माना जाता है। इससे ज्यादा तापमान बढ़ने पर पशु के एंजाइम काम करना कम कर देते हैं। इससे पशुओं का खाने पीने का रूटीन व स्वास्थ्य बिगड़ जाता है जिस कारण पशु बैचेन रहते है। जून माह में इंसान और पशु दोनों ही गर्मी से बेहाल हैं। इनमें इंसान तो ठंडा पानी या कूलर, एसी के सामने ठंडे स्थान पर बैठकर गर्मी से राहत ले लेते हैं। मगर पशुओं के लिए इस समय हरा चारा मिलना भी बंद हो जाता है। ऊपर से नई निकली तूड़ी उनके लिए बंधे का कारण बन रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बंधे की बीमारी से पीड़ित दो से तीन पशु प्रतिदिन पशु चिकित्सकों के पास उपचार के लिए आ रहे है जबकि सामान्य दिनों में इस तरह की कोई दिक्कत नहीं होती।

पशुओं में हीट स्ट्रोक और बंधे के लक्षण:-

हीट स्ट्रोक की बीमारी वाले पशुओं में उनका तापमान बढ़ जाता है। उनका दूध की मात्रा घट जाती है। ऐसे में पशु चरना छोड़ देता है। पशु में पानी की कमी के कारण आंखों का पानी सूख जाता है। अगर पशु की खाल को ऊपर की ओर खींचकर देखें तो उसके निशान कई देर तक पशु की खाल पर रहते हैं। वहीं बंधे की बीमारी में पशु गोबर करना बंद कर देता है। वह पशु चरना छोड़ने के अलावा दूध भी देना बंद कर देता है। ऐसे में पशु बिना खाए पिए कमजोर होना शुरू हो जाता है। तथा कई बार उपचार के अभाव में उसकी मौत तक हो जाती है।

बचाव के तरीके:-

पशु चिकित्सकों के अनुसार पशु को गर्मी के मौसम में ठंडे स्थान पर बांधना चाहिए। अगर हो सके तो उसके ऊपर पंखा या कूलर लगाकर रखना चाहिए। जहां तक संभव हो पशु को हरा चारा ही खिलाएं या नई तूड़ी की बजाए पुरानी तूड़ी खिलानी चाहिए। दिन में पशु को तीन चार बार पानी पिलाएं और सुबह शाम सूरज निकलने से पहले और सूरज ढलने के बाद नहाना चाहिए। पशु को सप्ताह में एक या दो बार 50-50 ग्राम मीठा सोडा जरूर खिलाएं। अगर पशु को लू लग जाती है तो तुरंत अपने नजदीकी पशु अस्पताल में ल्यूड थेरेपी करनी चाहिए। अगर पशु को बंधा पड़ जाता है तो उसका अनीमा कराएं।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया जात

लंदन की भारतीय कलाकार ने नई दिल्ली के ब्रिटिश काउंसिल में प्रदर्शनी के जरिए नारीत्व की पुरानी सोच को चुनौती दी

लोक प्रेरणा

अंबाला। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में जात प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां-बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीजों, धातु और उनके अर्थों के जरिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूकेः क्रिएटिव कनेक्शन्स कक के हिस्से के रूप में चलेगी।

सोनाक्षी बताती हैं, जात की शुरूआत मेरी अपनी पुरानी यादों को सहेजने के लिए हुई थी, लेकिन यह जल्द ही एक तरह का दावा बन गया—उन पारिवारिक चीजों को खोजने का, जिनमें उन महिलाओं का चुपके से किया गया विरोध छिपा था, जिन्हें सिर्फ. मां, दुल्हन या दादी के रूप में जाना गया। अपनी मूर्तियों के जरिए, मैं मां-बेटी की विरासत को चीजों की यादों के रूप में सहेजती हूं—ताकि आने वाली पीढ़ियों की महिलाएं उन्हें सिर्फ. उनके रोल्स से नहीं, बल्कि उनकी ख्वाहिशों, आजादी और आवाज के साथ जानें।

आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी ने 2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ-साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

आपसी सहयोग व एकजुटता से ही हो सकती है सभी मांगे पूरी, 9 जुलाई की हड़ताल में शामिल होकर दिखाए एकजुटता: अनिल कुमार

विभिन्न मांगों को लेकर अध्यापकों के साथ किया विचार विमर्श, 9 जुलाई की हड़ताल में भाग लेने का आह्वान

लोक प्रेरणा

लोहारू। शुक्रवार को हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्ज फैडरेशन ऑफ इंडिया खंड लोहारू कार्यकारिणी ने अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यशाला में पहुंचकर अध्यापकों के साथ विभिन्न मामलों को लेकर चर्चा की। इस दौरान खंड सचिव अनिल कुमार ने पिछले दिनों निदेशालय स्तर पर हुई तालमेल कमेटी की बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कमेटी की बातचीत काफी सकारात्मक रही लेकिन अभी भी कुछ मांग व मुद्दे हैं जिन पर निदेशालय ने सहमति नहीं दी है। उन्होंने बताया कि उनकी मांग है कि अध्यापकों/कर्मचारियों की ट्रांसफर ड्राइव शीघ्र शुरू की जाए तथा विभिन्न पेंडिंग मामले एलटीसी/एसीपी/मैडिकल रेंब्रेशमेंट को सिटीजन चार्टर बनाकर अतिशीघ्र पूरा करने, खाली पदों पर शीघ्र व स्थायी भर्ती, अध्यापकों से गैर शैक्षणिक कार्य लेने पर रोक लगाई जाए। इसके अतिरिक्त मॉडल व पीएम श्री स्कूलों को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से जोड़ा जाए। हरियाणा में शुरू किए गए 1420 मॉडल संस्कृति विद्यालयों में शिक्षण माध्यम इंग्लिश के साथ -साथ हिंदी में भी करवाने, इन विद्यालयों में स्टाफ की नियुक्ति स्क्रीनिंग के नाम पर धन का अपव्यय रोककर आम विद्यालयों की तरह ट्रांसफर ड्राइव से स्टाफ दिया जाए। उनकी मांग है कि चिराग योजना को वापस लिया जाए तथा एससी /बीसी/बीपीएल को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को बढ़ाया जाए। सार्वजनिक शिक्षा को चौपट करने वाली चिराग जैसी नये नाम से कोई योजना नहीं थोपी जाए। कैंपों के बदले में प्रतिपूर्ति छुट्टियां/अर्जित अवकाश दिए जाए। विभाग को नॉन वेकेशन विभाग बनाने, ट्रांसफर ड्राइव में पदों को कैप्ट नहीं करने, शक्तियों का विकेंद्रीकरण हो। पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, पेंशन में पार्ट टाइम सेवा के निर्णय का सामान्यीकरण करने के साथ साथ अन्य विद्यालयों, प्राथमिक विद्यालयों में भी कम्प्यूटर अध्यापक व सफाई कर्मचारी तैनात करने की मांग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विशेष नामांकन दाखिल अभियान में जिन विद्यालयों में छात्र संख्या में बढ़ोतरी हुई है वहां कार्यरत स्टाफ सदस्यों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि इन सभी मांगों को आपसी सहयोग एवं एकजुटता से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही आने वाली 9 जुलाई की हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया गया।इस दौरान जिला कमेटी से जगमंत, संजय सैनी, राजवंती उपप्रधान, सतीश मैचु, अशोक ढिल्लों, विजेन्द्र श्योराण, मनोज कुमारी पूर्व प्रधान सहित अनेक अध्यापक मौजूद रहे तथा उन्होंने 9 जुलाई की हड़ताल को भी सफल बनाने का आश्वासन दिया।

152-जी कॉरिडोर पर किसान बिफरे, 3.5 घंटे बंद रखा नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य

अधिकारियों ने 25 दिन में समाधान का दिया आश्वासन

एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। 152-जी नेशनल हाईवे सब-कॉरिडोर निर्माण को लेकर किसानों का गुस्सा शुक्रवार को फूट पड़ा। करीब 22 किलोमीटर लंबे इस सब-कॉरिडोर के जलबेहड़ा से पट्टी शहजादपुर तक के हिस्से में रास्ते न मिलने से आक्रोशित किसानों ने सुबह 9 बजे मुख्य मार्ग के बीचों-बीच टैंट लगाकर धरना शुरू कर दिया और निर्माण कार्य रुकवा दिया। किसानों ने निर्माण कार्य के साथ-साथ मटेरियल सप्लाई और भारी वाहनों की आवाजाही को भी पूरी तरह रोक दिया। धरने की अगुवाई कर रहे किसान नेता जसबीर सिंह मामूमाजरा ने बताया कि पिछले दो वर्षों से किसान बार-बार प्रशासन से खेतों में जाने के लिए रास्ता देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन केवल आश्वासन देकर टालमटोल करता रहा है। उन्होंने कहा कि सब कॉरिडोर का निर्माण एक महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजना है, लेकिन इससे जुड़े किसानों की जमीनी समस्याओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि किसानों की आजीविका और खेतों तक पहुंच प्रभावित होती है तो इसका सीधा असर अन्नदाता पर पड़ता है। हाईवे निर्माण के दौरान प्रशासन ने 45 से 60 मीटर चौड़ी जमीन अधिग्रहित की है, और दोनों ओर दीवार खड़ी कर दी है जिससे कई किसानों की जमीन दो हिस्सों में बंट गई है। अब किसान अपने ही खेतों में नहीं जा पा रहे हैं। धरना स्थल पर दोपहर 12 बजे सीपीएम कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रतिनिधि सत्यवान मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा की, लेकिन उन्होंने कहा कि रास्ते देने और मुआवजे की प्रक्रिया उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। इसके बाद दोपहर 1 बजे एनएचएआई के एसडीओ अभिजीत मौके पर पहुंचे और किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन किसानों के रास्ते अधिगृहित हुए हैं, उन्हें 25 से 30 दिनों के भीतर मुआवजा दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए 3-ए की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसडीओ ने आश्वस्त किया कि जिन किसानों के खेतों का रास्ता दीवार बनने से बंद हो गया है, वहां दीवार तोड़कर वैकल्पिक रास्ता दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि बारिश के पानी की निकासी के लिए जो पाइप डाले गए थे, उन्हें जल्द ही साफ किया जाएगा, और अंडरपासों के नीचे रोड़ी-बजरी डालकर उन्हें समतल किया जाएगा ताकि आवागमन संभव हो सके।

किसानों ने अधिकारियों को चेताया कि यदि प्रशासन ने 25 दिनों के भीतर अपने वायदों को पूरा नहीं किया तो वे दोबारा आंदोलन करेंगे और इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। किसान नेता जसबीर सिंह ने कहा कि 3-ए की प्रक्रिया का हवाला देकर अधिकारी समय मांग रहे हैं, लेकिन सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 3-ए की अधिसूचना ही अभी तक पूरी तरह लागू नहीं की गई है तो 3-बी तक पहुंचने में तो और समय लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पानी निकासी के लिए जो पाइप लगाए गए थे, वे भी बंद पड़े हैं। बरसात में अगर पानी जमा हो गया तो किसानों की फसलें खराब हो सकती हैं। आंदोलन में शामिल अन्य किसानों रविंद्र सिंह, जोगिंद्र सिंह, सुखविंद्र सिंह, जसविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, हरमीत सिंह, सुच्चा सिंह, मलकीत सिंह, अवतार सिंह, जरनैल सिंह, तकदीर सिंह, सरमोज सिंह और गुरबक्श सिंह ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। इसके बाद किसानों और प्रशासन के बीच लगभग 1 बजे सहमति बनी, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया। हालांकि किसानों ने साफ किया कि अगर इस बार भी प्रशासन ने केवल आश्वासन दिए और समाधान नहीं किया, तो अगली बार आंदोलन और अधिक उग्र होगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर लगाया गया योग प्रशिक्षण शिविर

योग प्रशिक्षण शिविर में योग साधकों ने उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा के साथ लिया भाग

लोक प्रेरणा

सतनाली। कस्बा स्थित शहीद पार्क में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को विभिन्न योग क्रियाएं करवाई गई तथा स्वस्थ शरीर के लिए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में योग साधकों द्वारा उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा के साथ भाग लिया गया। शिविर का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 की तैयारी के अंतर्गत किया जा रहा है। शिविर के दूसरे दिन ध्यान और प्रार्थना से शिविर का शुभारंभ किया गया जिसके बाद प्रशिक्षित योग सहायक सविता द्वारा योग आसनों, प्राणायाम तथा योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। प्रतिभागियों को विशेष रूप से कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा ब्रह्म मुद्रा का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर योग विशेषज्ञ गीता और मीरा ने दैनिक जीवन में योग के लाभ, मानसिक स्वास्थ्य पर योग के प्रभाव तथा सात्विक जीवनशैली अपनाने के विषय में व्याख्यान भी दिया। शिविर में सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों की उपस्थिति ने वातावरण को ऊर्जा से भर दिया। शिविर में सतनाली ब्लॉक के विभिन्न गांवों, संस्थानों एवं विद्यालयों से पंजीकृत योग प्रशिक्षकों एवं योग प्रेमियों ने भाग लिया।

आयुर्वेद नोडल अधिकारी डां पुनीत भारद्वाज ने स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता एवं ह्यएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्यह्न विषय पर विशेष चर्चा की तथा इन विषयों पर जागरूक किया। इस दौरान अनेक लोग मौजूद रहे।

सिंघानी में शराब की दुकान में तोड़ फोड़, सेल्समैन को जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

लोक प्रेरणा

लोहारू। उपमंडल के गांव सिंघानी में बीती रात्रि को शराब की एक दुकान सिंघानी के ही कुछ युवकों पर तोड़ फोड़ करने और सेल्समैन को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शराब की दुकान के मालिक की शिकायत के आधार पर आधा दर्जन युवकों पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में नरेंद्र निवासी सिंघानी ने बताया कि उसने सिंघानी में शराब की दुकान ले रखी है। शिकायत में आरोप है कि सिंघानी के ही कुछ युवकों ने बीती रात्रि को शराब की दुकान पर आकर जान से मारने की धमकी दी दुकान में तोड़ फोड़ की। शिकायतकर्ता का कहना है कि बीती रात्रि को गांव के करीब आधा दर्जन युवक बोलेरो कैंपर में सवार होकर आए और दुकान में बार-बार बोलेरो कैंपर मारी और सेल्समेन नीरज को मारने का प्रयास किया। सेल्समैन ने भागकर अपनी जान को बचाया। कैंपर की टक्कर से दुकान में रखा करीब तीन लाख रुपये के सामान का नुकसान हो गया। पीड़ित दुकान मालिक ने मामले की शिकायत थाने में देकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर गांव सुरपुरा कलां में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लोक प्रेरणा

लोहारू। उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण लोहारू द्वारा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण भिवानी एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार के निदेर्शानुसार व उप मंडल कानूनी सेवा समिति लोहारू के अध्यक्ष एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में गांव सुरपुरा कलां में कानूनी जागरूकता शिविर लगाया गया। गांव सुरपुरा कलां में लगाए गए इस शिविर में पैनल अधिवक्ता मनोज लाखलान द्वारा ग्रामीणों एवं युवाओं को विश्व बालश्रम रोकथाम दिवस के उद्देश्य एवं महत्त्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि भारत में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से मजदूरी कराना कानूनन अपराध है।उन्होंने कहा कि बाल श्रमिकों से न केवल उनका बचपन छीना जाता है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और समुचित विकास के अधिकार भी उनसे छीन लिए जाते हैं। उन्होंने बताया गया कि यदि कोई नाबालिग बच्चा कार्य करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाल श्रम को जड़ से समाप्त करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं है, इसके लिए जनसहभागिता, सामाजिक जिम्मेदारी और शिक्षा के प्रति जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों से अपील की गई कि यदि वे कहीं बाल श्रम होता हुआ देखें तो तुरंत बाल कल्याण समिति, पुलिस या विधिक सेवा प्राधिकरण को सूचित करें। कैंप में उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण लोहारू द्वारा व नालसा द्वारा चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में तथा लोगों को मिलने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिसमें मौलिक अधिकार व मौलिक कर्तव्य आदि विषय भी सम्मिलित रहे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच, नितेश वर्मा, रणबीर, राजेश और अन्य ग्रामीण व युवा आदि मौजूद रहे।

बोलेरो पिकअप से अवैध शराब की 532 बोतल बरामद, मामला दर्ज -आरोपी को न्यायालय में पेश कर भेजा गया न्यायिक हिरासत में

लोक प्रेरणा

लोहारू। एवीटी स्टाफ इशरवाल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर ढिगावा में शराब के ठेके के पास से बोलेरो पिकअप से अवैध शराब को जब्त किया है। जांच टीम में बोलेरो पिकअप को अपने कब्जे में लिया है वहीं शराब के साथ पकड़े गए आरोपी की पहचान अनिल निवासी गतौली जींद के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जिला जेल भेजने के आदेश दिए गए हैं। एवीटी स्टाफ इशरवाल के इंचार्ज सतीश कुमार ने बताया कि एवीटी स्टाफ इशरवाल की टीम में दीपक कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि गतौली जिला जींद निवासी अनिल बोलेरो पिकअप में शराब लेकर ढिगावा शराब के ठेके के पास आएगा। यदि तुरंत रेड की जाए तो आरोपी को शराब सहित पकड़ा जा सकता है। एवीटी स्टाफ की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तुरंत प्रभाव से कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक बोलेरो पिकअप गाडी चालक को काबू कर नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम अनिल निवासी गतौली जिला जींद बताया। इसके बाद बोलेरो पिकअप को चेक किया गया तो बोलेरो पिकअप में अलग-अलग मार्का की शराब मिली। पूछताछ के दौरान आरोपी कोई लाइसेंस व परमिट पेश नहीं कर पाया। मौके पर स्वतंत्र गवाह ढिगावा निवासी धर्मवीर की मौजूदगी में बोलरो पिकअप में रखी शराब की बोतलों की गिनती की। पिकअप से 192 पव्वा शराब देशी मार्का मस्ती माल्टा, 125 पव्वा देसी शाही मसालेदार, 72 अध्धा शाही मसालेदार, 72 अध्धा शराब देशी मार्का मस्ती माल्टा, 103 बोतल अंग्रेजी शराब, 12 बोतल पेटी गोल्फ शॉट, 185 बोतल बीयर, 293 पव्वा अंग्रेजी शराब के अलग-अलग ब्रांड के बरामद किए हैं। इस प्रकार एवीटी स्टाफ इशरवाल ने कुल 532 बोतल अवैध शराब की जब्त की। पुलिस समुचित कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश जहां से जिला जेल भेज दिया गया है।

मीठे पानी व शरबत की छबील लगाकर की गई जल सेवा

लोक प्रेरणा

सतनाली। कस्बे के समाजसेवी लोगो द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए राहगीरों व आमजन के लिए उपतहसील कार्यालय के नजदीक व बाजार में मीठे पानी व शरबत की छबील लगाई गई तथा इस दौरान उपतहसील में आने वाले लोगों, राहगीरों तथा आमजन को ठंडा मीठा पानी व शरबत पिलाया गया। इस मौके पर यशपाल शर्मा, हजारीलाल गोयल, रजनेश शेखावत आदि ने बताया कि अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जल सेवा अभियान के तहत मीठे पानी व शरबत की छबील लगाई गई है तथा राहगीरों को ठंडा जल पिलाया गया है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में ठंडा पानी पिलाना पुण्य का कार्य माना गया है तथा लोग छबील लगाकर भी पानी पिलाते है। गर्मी से बचने के लिए शरीर को सबसे अधिक पानी की जरूरत होती है। इस गर्मी के तपते मौसम में यदि किसी व्यक्ति को ठंडे पानी की बूंद भी मिल जाए तो वह भी अमृत के समान लगती है। ऐसे में सामूहिक रूप से जल सेवा अभियान के तहत मुख्य सड़क मार्ग पर राहगीरों व आमजन को गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह छबील लगाई गई है ताकि लोगों को गर्मी के मौसम में परेशानी न हो तथा पुण्य की प्राप्ति भी मिल सके। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी में ठंडे पानी की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाना एक बहुत बड़ा पुण्य का कार्य माना गया है।

दिल्ली पुलिस के आयुक्त संजय अरोड़ा को नहीं मिल सकेगा सेवा विस्तार

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के आयुक्त संजय अरोड़ा को सेवा विस्तार नहीं मिल सकेगा। तमिलनाडु काडर के 1988 बैच के आइपीएस संजय अरोडा को लगभग करीब तीन साल पहले एक अगस्त 2022 को दिल्ली पुलिस का आयुक्त बनाया गया था। हालाँकि 31 जुलाई को उनकी सेवानिवृत्ति थी, लेकिन सेवानिवृत्ति से 50 दिन पहले ही दिल्ली सरकार के उप गृह सचिव संजीव कुंडू ने आर्डर जारी कर बताया है कि संजय अरोड़ा 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। यानी उन्हें कोई सेवा विस्तार नहीं मिलेगा। सेवानिवृत्ति से 50 दिन पहले ही आयुक्त के बारे में इस तरह के आर्डर निकाले जाने से महकमे में अलग-अलग तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं।

वरिष्ठ आइपीएस लाबी की मानें तो यह पहला अवसर है जब दिल्ली पुलिस के किसी पुलिस आयुक्त के सेवानिवृत्त होने से इतने दिन पहले आर्डर निकाल दिया गया हो। कहा जा रहा है कि पुलिस आयुक्त की तरफ से गृह मंत्रालय को पत्र लिख सेवा विस्तार दिए जाने का अनुरोध किया गया हो। इसपर गृह मंत्रालय ने उप राज्यपाल से उन्हें सेवा विस्तार देने से मना कर दिया गया हो। तभी उप राज्यपाल के निर्देश पर गृह विभाग की ओर से बीते नौ जून को इस तरह का ऑर्डर निकाला गया। अरोड़ा से पहले गुजरात काडर के 1985 बैच के आइपीएस राकेश अस्थाना को गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस का आयुक्त बनाया था। वह पहले बीएसएफ में थे। वहां से सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले उन्हें दिल्ली पुलिस का आयुक्त बना दिया गया था। वह करीब एक साल आयुक्त रहे थे।
उन्होंने भी सेवा विस्तार लेने की खूब कोशिश की थी किंतु उन्हें सेवा विस्तार न

देकर अचानक संजय अरोड़ा को दिल्ली पुलिस का आयुक्त बना दिया गया था। पिछले चार साल तक गैर यूटी काडर के आइपीएस के दिल्ली पुलिस का आयुक्त होने पर यूटी काडर के कई आइपीएस को आयुक्त बनने का सपना अधूरा रह गया। इससे यूटी काडर के आइपीएस में कुछ समय तक मायूसी देखा गया।

बता दें कि गैर यूटी काडर के आइपीएस को दिल्ली पुलिस का आयुक्त बनाने पर पुलिस बल में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला। बल्कि भ्रष्टाचार बढ ही गया। पिछले चार साल में आए दिन थानों में सीबीआई और विजिलेंस के छापे पड़ते रहे। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किए गए। इंस्पेक्टर तीन साल ही थाने में एसएचओ पद पर बने रहेंगे इस तरह का फैसला सबसे गलत रहा। जिससे इंस्पेक्टरों को थाने की जिम्मेदारी मिलते ही अधिकतर यह सोचकर भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए कि उन्हें तीन साल बाद मौका नहीं मिलेगा।
गैर यूटी काडर से कोई खास उपलब्धि हासिल न होने पर माना जा रहा है कि अरोड़ा के सेवा निवृत्त होने के बाद पहले की तरह यूटी काडर के आइपीएस को ही फिर से आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी जाए।

दिल्ली के चौहान बांगर में प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हत्या की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला उत्तर पूर्वी दिल्ली जिले के चौहान बांगर इलाके का है, जहां एक 19 साल के अब्बास नामक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक के पिता गुलशेर अली शेर के अनुसार, मंगलवार रात को उनके बेटे को एक लड़की ने घर में बुलाने का इशारा किया था, लेकिन लड़के ने मना कर दिया। हालांकि, बाद में लड़की के पिता ने अपनी बेटी की पिटाई की, जिस वजह से उन्होंने भी अपने बेटे को पीटा।
मृतक के पिता ने बताया कि लड़की के पिता ने उनके बेटे को धमकी दी थी। इतना ही नहीं, कुछ लोगों ने उसे जाफराबाद में मिलने के लिए बुलाया, मगर उन्होंने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान उस पर चाकू से कई वार किए गए, जिस वजह से वह बुरी तरह घायल हो गया।
घटनास्थल से पिता अपने घायल बेटे को लेकर जग प्रवेश चंद्र हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता ने मीडिया को बताया कि मेरे बेटे को लड़की के पिता कासिम और उसके बेटे ने मारा है। इस घटना को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।
हैरानी की बात यह है कि दिल्ली में बीते कुछ दिनों में हत्या के कई मामले सामने आए हैं। इससे पहले, 28 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सीलमपुर में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। 20 वर्षीय समीर नाम के युवक की जोगी बस्ती के अंदर गोली मारकर हत्या की गई थी।
वहीं, उत्तर पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर के जे-ब्लॉक में 17 वर्षीय एक किशोर की 17 अप्रैल की शाम चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, मृतक की पहचान उसी इलाके के कुणाल के रूप में हुई थी। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया था।
ऐसी ही एक वारदात दिल्ली के शाहदरा में घटी थी। जिले के जीटीबी (गुरु तेग बहादुर) एनक्लेव थाना क्षेत्र में 14 अप्रैल को एक युवती की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने 19 वर्षीय आरोपी रिजवान को करनाल के नीलकंठ ढाबे के पास से गिरफ्तार किया था।
भारत में 10 विमान दुर्घटनाओं की सूची, जिसने सबको झकझोर कर रख दिया था

जन्मदिन पर डॉ. दीपक शर्मा ने लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

195 मरीजों की हुई जांच, अस्पताल के बाहर लगाई ठंडे मीठे जल की छबील

एकजोत
शाहाबाद मारकंडा। शहर के लाडवा रोड स्थित सिद्धार्थ अस्पताल एवं हार्ट केयर सेंटर में प्रबंध निदेशक डॉ. दीपक शर्मा ने जन्म दिन पर सामाजिक सेवा की मिसाल पेश करते हुए एक विशेष निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। इस दौरान विभिन्न रोगों से ग्रस्त 195 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच करवा कर लाभ प्राप्त किया। डॉ. दीपक शर्मा ने बताया कि बढ़ती गर्मी के इस मौसम में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समय पर जांच और परामर्श मिलना बेहद जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि जन्म दिन जैसे निजी अवसर को सेवा कार्य में बदलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य करते रहने का संकल्प लिया। इस विशेष चिकित्सा शिविर में एब्बोट हेल्थ केयर सेंटर की विशेषज्ञ टीम ने पहुंच कर मरीजों की निशुल्क शुगर जांच की। इसके अलावा सामान्य स्वास्थ्य जांच, बीपी जांच, परामर्श

और अन्य आवश्यक सलाह दी गई। शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञा डॉ. अंजली शर्मा, डॉ. योगेश, डॉ. रोहित, नवीन शर्मा, रणजोत सिंह व आसित जेतली सहित नवीन डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी की टीम सक्रिय भूमिका में दिखाई दी। शिविर के दौरान अस्पताल के बाहर ठंडे मीठे जल की छबील भी लगाई गई। नर्सिंग स्टाफ ने पूरे जोश और सेवा भाव से राहगीरों व वाहन चालकों को रोक-रोक कर ठंडा जल पिलाया। भीषण गर्मी के बीच इस पहल ने लोगों को बड़ी राहत दी। छबील का लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने उठाया और आयोजन की भरपूर सराहना की।

भारत में खुदरा महंगाई दर मई में 6 वर्षों के निचले स्तर पर रही

नई दिल्ली । भारत की खुदरा महंगाई दर मई में कम होकर 2.82 प्रतिशत हो गई है, जो कि पिछले साल मई में 4.8 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा में यह जानकारी दी गई थी।
खुदरा महंगाई दर का यह फरवरी 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। इस साल अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी।
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि खाद्य महंगाई दर मई में कम होकर 0.99 प्रतिशत हो गई है, जो कि अक्टूबर 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है।

भारत में 10 विमान दुर्घटनाओं की सूची, जिसने सबको झकझोर कर रख दिया था

नई दिल्ली । अहमदाबाद में गुरुवार को हुए एयर इंडिया विमान हादसे ने देश में विमान सेवा और सुरक्षा पर एक बार फिर सबका ध्यान केंद्रित कर दिया है।
इससे पहले आखिरी बड़ी त्रासदी 2020 में कालीकट में हुई थी, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई थी। 12 नवंबर, 1996 को चरखी दादरी में हुई विमान दुर्घटना, जिसमें 349 लोग मारे गए थे, जो देश की सबसे बड़ी हवाई दुर्घटना थी।
पिछले दशकों में हुई कुछ प्रमुख नागरिक हवाई दुर्घटनाओं में शामिल हैं:
1. कालीकट (कोझिकोड) हवाई दुर्घटना (7 अगस्त, 2020) : दुबई से आ रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान 1344 कालीकट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। विमान गीले रनवे से फिसल गया और दो हिस्सों में टूट गया।
2. मैंगलोर हवाई दुर्घटना (22 मई, 2010) : एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान 812 मैंगलोर में रनवे से फिसल गया, जिसके परिणामस्वरूप 158 लोगों की मौत हो गई। विमान खाई में गिरने के बाद टूट गया।
3. पटना हवाई दुर्घटना (17 जुलाई, 2000) : एलायंस एयर की उड़ान 7412 पटना में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 60 से अधिक लोग मारे गए। पायलट की गलती के कारण विमान ने नियंत्रण खो दिया था, जिसके कारण यह घटना हुई थी।
4. चरखी दादरी मध्य-हवाई टक्कर (12 नवंबर, 1996) : सऊदी अरब एयरलाइंस बोइंग 747 और कजाकिस्तान एयरलाइंस इल्यूशिन आईएल-76 दिल्ली के पास टकरा गए, जिससे दोनों विमानों में सवार सभी 349 लोग मारे गए। इसका कारण पायलट की गलती और हवाई यातायात नियंत्रण के साथ गलत संचार था।
5. औरंगाबाद हवाई दुर्घटना (26 अप्रैल, 1993) : इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 491, एक बोइंग 737, औरंगाबाद से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, एक ट्रक और बिजली के तारों से टकरा गई, जिससे 55 लोग मारे गए।
6. इंफाल हवाई दुर्घटना (16 अगस्त, 1991) : इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 257 इंफाल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उसमें सवार सभी 69 लोग मारे गए।
7. बेंगलुरु हवाई दुर्घटना (14 फरवरी, 1990) : इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 605, एक एयरबस ए320, बेंगलुरु के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 92 लोग मारे गए।
8. अहमदाबाद हवाई दुर्घटना (19 अक्टूबर, 1988) : इंडियन एयरलाइंस का विमान 113 अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 133 लोग मारे गए।
9. बॉम्बे हवाई दुर्घटना (21 जून, 1982) : एयर इंडिया का विमान 403 बॉम्बे हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 17 लोग मारे गए।
10. बॉम्बे एयर क्रैश (1 जनवरी, 1978) : एयर इंडिया की फ्लाइट 855 (बोइंग 747) विमान मुंबई से उड़ान भरने के बाद अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उसमें सवार सभी 213 लोग मारे गए।

दिल्ली में कर्ज चुकता न करने पर टेंट मालिक ने युवक को पीट-पीटकर कर दी हत्या, चार गिरफ्तार

लोक प्रेरणा
नई दिल्ली राजधानी बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर में कर्ज चुकता न करने पर युवक का अपहरण कर पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित टेंट हाउस के मालिक समेत उसके चार कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान सोनू उर्फ साहिल खान के रूप में हुई है। आरोपियें ने बताया कि सोनू को वे एक टेंट हाउस के कार्यालय में ले गए। जहां उसे नंगा कर लाठी और डंडों से जमकर पिटाई कर दी। आरोपी अधमरा होने पर उसे सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। स्वरूप नगर थाना पुलिस ने अपहरण और हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से एक हुंडई एक्सेंट कार बरामद की है, आरोपी इसी कार से सोनू को सुनसान जगह पर फेंककर फरार हो गए थे। अपहरण करने में इस्तेमाल मारुति स्विफ्ट कार और एक बाइक भी बरामद की है।

वहीं, खून से सने कपड़े, वारदात में इस्तेमाल लाठी-डंडे भी बरामद कर लिए गए हैं। आरोपियों की पहचान टेंट हाउस मालिक

मनीष उर्फ बाबा, टेंट हाउस के कर्मचारी मोहम्मद साहिल, अर्जुन,पवन और सनी के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी.स्वामी ने बताया कि 11 जून को सोनू का शव गायत्री गौशाला, नंगली के सामने नग्न अवस्था में मिला था। जिसके सिर, गर्दन, हाथ और पीठ पर कई चोट के निशान थे। आरोपितों को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर अमित मलिक और एसएचओ आलोक कुमार रंजन के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई।

टीम को एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जब वह शाम को मृतक सोनू के साथ भलस्वा डेरी में एक दोस्त के घर पर था। इस दौरान आरोपित साहिल और मनीष उर्फ बाबा सहित पांच लोगों ने सोनू का अपहरण कर लिया। उन्हें शिव मंदिर रोड, स्वरूप नगर के पास महक टेंट हाउस में ले गए। वहां, पैसे के विवाद को लेकर मृतक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। जब प्रत्यक्षदर्शी ने विरोध किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपितों ने कहा कि कर्ज चुकता करने पर वे सोनू को छोड़ देंगे। बाद में मनीष अपने कर्मचारियों के साथ मृतक सोनू को हुंडई एक्सेंट कार में अपने गोदाम, दस किला, गायत्री गोशाला के पास ले गए, जहां फिर से बेरहमी से मारपीट की गई और सड़क के किनारे फेंक दिया गया। रात करीब 12 बजे प्रत्यक्षदर्शी को आरोपी साहिल का फोन आया कि मृतक को छोड़ दिया गया है, लेकिन पीड़ित फिर भी घर नहीं लौटा।

अहमदाबाद विमान हादसे में विजय रूपाणी की मौत पर तमाम नेताओं ने जताया दुख

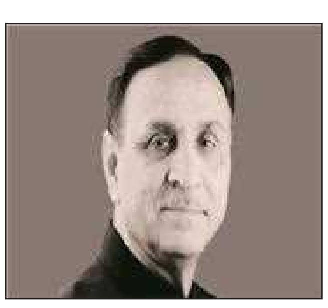

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में विमान में सवार भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई। रूपाणी की मौत पर राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। कई नेताओं ने उनकी मौत पर दुख जताया।
रूपाणी की मौत पर दुख जताते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय रूपाणी का निधन अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उनका जाना भाजपा परिवार के साथ-साथ गुजरात और देश की राजनीति की अपूरणीय क्षति है। असहनीय दुख और पीड़ा की इस घड़ी में परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और दुआ कर रहा हूं कि परिवार को तकलीफ सहन कर पाने की ताकत मिले। विनम्र श्रद्धांजलि।"
भाजपा के राज्यसभा सांसद संबित पात्रा ने लिखा, "अहमदाबाद में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य विजय रूपाणी जी के दुखद निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को झकझोर देने वाला है। उनका जाना न केवल गुजरात, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। महाप्रभु जगन्नाथ जी दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं इस कठिन समय में शोकसंतप्त परिजनों और समर्थकों को धैर्य एवं संबल प्रदान करें।"
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा, "अहमदाबाद में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय रूपाणी जी के निधन का समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला और हृदयविदारक है। प्रभु श्रीराम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों व शुभचिंतकों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति दें।"
राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने एक्स पर लिखा, "गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी का विमान दुर्घटना में निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिवार को असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।" गुजरात के विधायक हार्दिक पटेल ने लिखा, "गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी के निधन की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उन्होंने राज्य के विकास के लिए अथक प्रयास किए और जनसेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों को शक्ति मिले, यही प्रार्थना है। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि।"
झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने एक्स पर लिखा, "अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी के दुखद निधन से मन व्यथित है। उनका जाना भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। बाबा बैद्यनाथ दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करें।"

अहमदाबाद प्लेन क्रैश: वैश्विक स्तर पर पहले भी कई बार आ चुकी हैं बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर में तकनीकी समस्याएं

नई दिल्ली। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को पूरी दुनिया में अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी और ईंधन दक्षता के लिए जाना जाता है, लेकिन बीते कई वर्षों में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं।
अहमदाबाद में गुरुवार को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 क्रैश होने के बाद एक बार फिर से इस एयरक्राफ्ट को लेकर सवाल उठने लगे हैं।
अहमदाबाद से लंदन जा रही इस फ्लाइट में 242 लोग सवार थे, जिसमें से 10 क्रू मेंबर्स थे।
बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर का उपयोग लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बड़े स्तर पर दुनिया की एयरलाइनों द्वारा किया जाता है और इसे आधुनिक और कुशल विमान माना जाता है, लेकिन इसमें कई बार सुरक्षा संबंधी चिंताएं

सामने आई हैं।
2013 में लिथियम-आयन बैटरी में आग लगने की घटनाओं के बाद वैश्विक स्तर पर ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया गया था। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर में खामी के कारण जापान एयरलाइंस के जेट में आग लग गई थी।
इन घटनाओं के कारण यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने ड्रीमलाइनर का परिचालन तब तक के लिए स्थगित कर दिया, जब तक बोइंग ने बैटरी प्रणाली को पुनः डिजाइन नहीं कर लिया।
2024 में बोइंग फिर से जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के एक इंजीनियर और व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर ने कथित तौर पर अमेरिकी सीनेट को ड्रीमलाइनर के बॉडी में संरचनात्मक समस्याओं के बारे में बताया।
उन्होंने दावा किया कि छोटे गैप और अनुचित असेंबली से जल्दी घिसाव और संभावित संरचनात्मक खराबी हो सकती है। एफएए ने एक जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है।
इन सब खामियों के बाद भी बोइंग ने इसका प्रचार एक आधुनिक एयरक्राफ्ट के रूप में किया है।
इस साल मार्च में लैटम एयरलाइंस द्वारा संचालित बोइंग 787-9 में उड़ान के दौरान अचानक ऊंचाई में गिरावट आई, जिससे 50 लोग घायल हो गए। बाद में इसका कारण कॉकपिट सीट में खराबी को बताया गया।
पिछले कुछ वर्षों में पायलटों ने इंजन में बर्फ जमने, ईंधन रिसाव, जनरेटर और बिजली सिस्टम में खराबी जैसी समस्याओं की भी रिपोर्ट की है।
फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान ने 2013 में अपनी पहली उड़ान भरी थी और जनवरी 2014 में एयर इंडिया को सौंप दिया गया था।
अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के कारणों की अभी भी एयर इंडिया और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जांच की जा रही है।

29 जून को चलो जंतर-मंतर आंदोलन : झुग्गी तोड़े जाने के विरोध में 'आप' करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में झुग्गी बस्तियों और गरीबों के घरों को तोड़े जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। पार्टी ने 'चलो जंतर-मंतर' नामक एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है, जो 29 जून को सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर होगा। पार्टी के मुताबिक, इस प्रदर्शन का उद्देश्य दिल्ली की झुग्गी बस्तियों को बुलडोजर कार्रवाई से बचाना और गरीबों को बेघर होने से रोकना है। आम आदमी पार्टी के अनुसार, दिल्ली में अवैध बताकर कई झुग्गी बस्तियों को उजाड़ा जा रहा है, जिससे हजारों गरीब परिवारों का जीवन संकट में आ गया है। पार्टी ने भाजपा शासित दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया है कि वह गरीब विरोधी नीतियों के तहत झुग्गियों को बलपूर्वक हटा रही है, जबकि पहले यह दावा किया गया था कि एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि अब समय आ गया है कि जनता एकजुट होकर

अपनी आवाज बुलंद करे। इसी क्रम में 'आप' ने 29 जून को व्यापक धरना प्रदर्शन की योजना बनाई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भी शामिल होने की संभावना है, इस प्रदर्शन में भाग लेंगे। 'आप' ने इसके साथ ही एक बड़े जनसंपर्क अभियान की भी घोषणा की है। पार्टी कार्यकर्ता झुग्गी बस्तियों में घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें आंदोलन से जोड़ने की कोशिश करेंगे। खासकर उन झुग्गियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिन्हें हाल ही में तोड़ा गया है, साथ ही उन इलाकों में भी अभियान चलाया जाएगा, जहां जल्द ही कार्रवाई की आशंका है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन सिर्फ झुग्गीवालों का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का है जो गरीबों के साथ न्याय चाहता है। पार्टी का दावा है कि अगर मिलकर आवाज नहीं उठाई गई, तो आने वाले दिनों में और भी कई बस्तियां उजाड़ दी जाएंगी।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

डिलीवरी के बाद महिलाओं के शरीर में होते हैं ये बदलाव, एक्सपर्ट से जानें कैसे करें केयर

डिलीवरी के बाद बच्चे को अपने हाथों में लेना और गले से लगाना हर महिला की जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल होता है. लेकिन प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद से ही उनके शरीर में न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी कई तरह के बदलाव आते हैं. इस दौरान बच्चे और घर की जिम्मेदारियों का असर उनकी मेंटल हेल्थ पर भी दिखाई दे सकता है.

कई महिलाओं को डिलीवरी के बाद में पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या भी हो सकती है. इसलिए इस दौरान अपना ख्याल रखना बहुत जरूरी है. आइए जानते हैं एक्सपर्ट से कि डिलिवरी के बाद महिला के शरीर में किस तरह के बदलाव आते हैं और उन्हें अपना ख्याल कैसे रखना चाहिए.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में कंसल्टेंट ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी डॉक्टर निखत सिद्दीकी ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद महिला के शरीर और मन दोनों में कई तरह के बदलाव आते हैं, जो बिल्कुल सामान्य हैं. फिजिकली बात करें तो शरीर थकावट ज्यादा महसूस करता है, वजन बढ़ सकता है, पीठ या पेट में दर्द, हार्मोनल बदलाव के कारण बाल झड़ना, स्किन का डल नजर आना या मूड में उतार-चढ़ाव महसूस होना आम है. मेंटल हेल्थ की बात करें तो वाकई महिलाओं को चिंता, तनाव, चिड़चिड़ापन या कभी-कभी डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं. अगर यह समस्या ज्यादा बढ़ जाए तो पोस्टपार्टम डिप्रेशन की समस्या की संभावना बढ़ सकती है.डिलीवरी के बाद अपना ख्याल रखने के लिए बहुत जरूरी है कि खुद को समय दें और यह समझें कि यह एक नेचुरल प्रोसेस है. बच्चे के साथ-साथ अपना ख्याल रखें. नवजात बच्चे के साथ नींद पूरी करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, लेकिन सही नींद लेने की कोशिश करें. हेल्दी डाइट फॉलो करें. इसके साथ ही इस समय परिवार और पति की मदद लें. जरूरी नहीं है आप हर काम खुद करें. इसके लिए आप परिवार के सदस्यों से मदद लें. रोजाना हल्का व्यायाम या वॉक करें. किसी भरोसेमंद से खुलकर बात करना और जरूरत पड़े तो प्रोफेशनल काउंसलिंग लेना फायदेमंद हो सकता है. बच्चा पालना एक खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, इस दौरान मां को खुद को भी प्राथमिकता देनी चाहिए.

पूरी नींद लें

रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद पूरी करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी माना जाता है. इस दौरान थकान को दूर करने और शरीर में दोबारा एनर्जी बनाने में मदद मिलती है. जो इस समय हर मां के लिए जरूरी है, क्योंकि इनके ऊपर अपनी और बच्चे दोनों की जिम्मेदारी होती है. लेकिन बच्चे के साथ रात में नींद पूरी कर पाने में मुश्किल हो सकती है. इसलिए इस दौरान आप अपने परिवार वालों की मदद ले सकती हैं या अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव कर सकती हैं जैसे जब बच्चा सो रहा हो, तब आप भी अपनी नींद पूरी कर सकती हैं.

डाइट पर ध्यान दें

प्रेगनेंसी के दौरान और डिलीवरी के बाद दोनों में ही अपने खान-पान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है. इस दौरान पोषक तत्वों से भरपूर हेल्दी डाइट लें. जंक-फूड, ज्यादा मसालेदार और ऑयली चीजें नहीं खाना चाहिए. साथ ही शरीर में गैस और ब्लोटिंग की समस्या पैदा करना वाली चीजों को खाने से भी परहेज करें.

आराम करें और अपनों की मदद लें

डिलीवरी के बाद शरीर में फिजिकली और मेंटली कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं. इसलिए इस दौरान आपको आराम करना चाहिए. इसलिए घर के काम और बच्चे की देखभाल के लिए अपने परिवार के सदस्यों से मदद लेना सही रहेगा. जिससे की आपको आराम करने के लिए समय मिल सके.

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश

इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था।इंदौर के हनीमून केस पर सोशल मीडिया में एक भयावह टिप्पणी पढ़ने मिली। लिखा था कि औरत को आजादी देने का अंजाम देख लिया। अब समझ में आया कि पहले औरतों पर अंकुश लगाकर क्यों रखा जाता था।

दरअसल यह उसी मनुवादी सोच से निकला विचार है जिसमें औरत को पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटे के आश्रित रखा जाता है। महिला का अपना स्वतंत्र अस्तित्व न हो, यह बात पुरुष सत्तात्मक समाज के लिए एकदम उपयुक्त रहती है। क्योंकि जहां स्वतंत्रता रहेगी, वहां अपनी जिम्मेदारी खुद लेने का जज्बा भी दिखाया जाएगा, साथ ही अपने लिए अधिकार भी मांगे जाएंगे। यह सारी बातें अधिकतर पुरुषों के लिए दुस्वप्न है कि उनके सामने महिला इस तरह की बराबरी दिखाए। समाज में इसी बात को सामान्य मान लिया गया है कि पुरुष स्त्री का सम्मान तो करे, लेकिन अपने से निचले पायदान पर रखकर। अगर स्त्री को बराबरी पर रखा जाएगा तो फिर वह और आगे निकलने की ख्वाहिश रखेगी, ये डर पितृसत्तात्मक समाज की संरचना में गूंथ दिया गया है। यही डर हनीमून केस में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है।इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है।

मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्रेम त्रिकोण के मामले पहले हुए ही नहीं, या उनमें हत्या जैसा अतिरेक भरा कदम नहीं उठाया गया हो। लेकिन अक्सर इनमें स्त्री पीड़ित रहती थी, उसे मारा जाता था, तो इसमें समाज को कुछ असामान्य नहीं लगा।अब बीते कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि पत्नी ने पति की हत्या करवाई है, जिन्हें समाज अब अपने लिए बड़ी चेतावनी की तरह देख रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के डेटा और विभिन्न राज्य क्राइम रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे पांच राज्यों में कुल 785 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की या हत्या करवाई है। हालांकि कितने पतियों ने इसी तरह अपनी पत्नियों का कत्ल किया या करवाया होगा, इसके आंकड़े नहीं हैं। दहेज हत्याओं के आंकड़े जरूर दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच ही देशभर में 35,493 महिलाओं की मौत दहेज हत्या के कारण हुई, यानी हर दिन कम से कम 20 वधुएं मारी गई हैं। दहेज हत्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान देश में अग्रणी रहे हैं।कायदे से जितनी चिंता 785 मौतों पर की जा रही है, उतनी ही 35 हजार मौतों पर भी होनी चाहिए। लेकिन समाज यहां भी भेदभाव का नजरिया रखता है। मरने वाली स्त्रियां हैं, तो यह दुखद है, सामाजिक समस्या भी है, लेकिन चेतावनी की बात नहीं है। लेकिन मरने वाले पुरुष हैं तो फिर सारा सामाजिक विमर्श ही बदल जाता है। असल में वैवाहिक संबंध की यह परिणति पूरे समाज के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। समाजशास्त्रियों को अब विवाह संस्था पर नए सिरे से अध्ययन की जरूरत है कि आखिर इसमें कहां चूक हो रही है कि एक पक्ष इस सीमा तक पहुंच जाए कि अपने जीवनसाथी की हत्या कर दे।सोनम रघुवंशी पर आरोप अभी सिद्ध नहीं हुआ है, इससे पहले कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं ने अपने पुरुष साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जाहिर है ये जघन्य अपराध है और उसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हत्या की जो सजा पुरुष के लिए होती है, वही स्त्री के लिए भी होती है। मगर जिन मामलों में महिलाएं दोषी होती हैं, उसके लिए पूरे स्त्री समाज को जिम्मेदार ठहराना क्या उचित है। लेकिन ऐसा लगता है मानो स्त्रियों को फिर से बंधन में डालने के लिए मौकों को तलाशा जा रहा है। हनीमून केस या नीले ड्रम में पति की लाश जैसे प्रकरण इन मौकों को बना रहे हैं। यहां गौर करने वाला एक पहलू यह है कि जो इंसान पेशेवर अपराधी नहीं होते, वे किस तरह इतने भयावह योजनाबद्ध तरीकों से ऐसी हत्याओं को अंजाम देते हैं, इसके पीछे कौन से मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण हैं, इनकी भी पड़ताल होनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि इन घटनाओं को केवल स्त्री बनाम पुरुष के खांचे में फिट कर देखा जाता है।

सोनम रघुवंशी मामले में मीडिया की भूमिका पर भी विचार होना चाहिए। पहले अपराध कथाएं मनोहर कहानियों जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं और घरों पर अमूमन उन्हें बच्चों से दूर रखा जाता था कि ऐसी बातों का बुरा असर उनके नाजुक मन पर पड़ता है। लेकिन अब मुख्यधारा और सोशल दोनों तरह के मीडिया में यही प्रकरण छाया हुआ है। मुख्यधारा के मीडिया में अपराध की खबरों के लिए अलग बुलेटिन होता है, लेकिन जब देश-समाज के अन्य जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाना हो तो ऐसी खबरें चटखारों के साथ प्रस्तुत करना फायदेमंद होता है।

मीडिया के माइक्स शिलांग के जिस गेस्ट हाउस में सोनम-राजा रघुवंशी ठहरे थे, वहां से लेकर सोनम के कथित मित्र राज कुशवाहा के घर तक ठूंसे जा चुके हैं। एक वीडियो आया है जिसमें राज कुशवाहा की मां अपील कर रही है कि पत्रकार उनके घर के भीतर इस तरह न आएं, लेकिन टीआरपी के गिद्धों की दृष्टि अपने शिकार पर लगी हुई है। इसी मीडिया ने सोनम को पुलिस के कहने के पहले ही अपराधी साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जब राजा रघुवंशी की मां कह रही थी कि जांच पूरी होने दी जाए, हमें नहीं लगता कि सोनम ने ऐसा कुछ किया होगा, तब भी मीडिया सोनम को अपराधी बना चुका था। मीडिया ट्रायल का यह सिलसिला देश में लगातार जारी है और इस पर कोई अंकुश नहीं लग रहा यह चिंता की बात है।

उधर सोशल मीडिया पर चटखारों के साथ इस प्रकरण पर रील्स, मीम्स न जाने क्या-क्या परोसा जा रहा है। कोई सलमान खान का उदाहरण दे रहा है कि इसलिए भाई अकेले रहते हैं, कोई हम दिल दे चुके सनम के दृश्य दिखा रहा है। एक गंभीर घटना पर ऐसा ओछा रवैया दिखा रहा है कि समाज से संवेदनशीलता कितनी तेजी से खत्म होती जा रही है। खुद राजा रघुवंशी की बहन, जो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कही जाती है, उसने राजा की शादी की तैयारियों के कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, साथ ही उसके साथ पार्श्व में संगीत देकर अपने दिवंगत भाई को याद किया। एक बहन ने अपने भाई को असमय खोया है, यह बड़ा दुख है, लेकिन क्या इस मौके पर भी सोशल मीडिया को जरिया बनाकर भावनाएं प्रकट की जानी चाहिए, यह सोचने वाली बात है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स स्त्री स्वतंत्रता को लेकर की गई भद्दी टिप्पणियों से भरे हुए हैं, जिन्हें देखकर चिंता होती है कि स्त्री अधिकारों के लिए जो अथक संघर्ष किया गया है, कहीं इन घटनाओं की आड़ लेकर उसे खारिज न किया जाए।आखिरी बात, सोनम से मिलकर लौटे उसके भाई गोविंद ने राजा की मां से गले लगकर दुख प्रकट किया और पूरे परिवार से माफी मांगते हुए कहा कि उनकी बहन ने गलत किया है, मगर मैं अब से आपके परिवार का हिस्सा हूं। राजा की मां ने भी कहा है कि इसमें गोविंद की कोई गलती नहीं है।

संपादकीय

आपदा में एक और अवसर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने आवास पर भारत के आउटरीच कार्यक्रम के लिए कई देशों की यात्रा करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। फिलहाल यह कहा नहीं जा सकता कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडलों की यह मुलाकात अनौपचारिक थी या औपचारिक। क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुद कहा है कि यह बिल्कुल औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम लोगों ने जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री को दी, वो उन्होंने प्रस्तुत भी नहीं की। गौर करने वाली बात यह है कि शशि थरूर ने यह जिक्र खेद के साथ नहीं बल्कि प्रसन्नता के साथ किया।प्रधानमंत्री के आवास पर हुए इस मेलजोल कार्यक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें श्री मोदी के बगल में शशि थरूर दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी प्रधानमंत्री से बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद के साथ श्री मोदी मुस्कुराते हुए मिलते नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के साथ तो ठहाके लगाते तस्वीरें आई हैं। चंद कांग्रेस नेताओं से इस अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी क्यों मिल रहे हैं, यह सवाल अब उठने लगे हैं। हो सकता है कि उनकी अन्य दलों के नेताओं से भी इसी तरह हंसी-खुशी भेंटवार्ता हुई हो, लेकिन उनके वीडियो-तस्वीरें इतने वायरल क्यों नहीं किए गए, ये भी सोचने वाली बात है। वैसे सबसे अधिक विचारणीय पहलू तो यह है कि देश के मुखिया को इतने सांसदों के साथ हंसी-ठहाके लगाते, खाते-पीते देखकर पहलगाम पीड़ितों के दिलों पर क्या बीत रही होगी। वे तो अब तक इस इंतजार में थे कि आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर तक जाकर पकड़ कर लाने का ऐलान करने वाले श्री मोदी अपने वादे को पूरा करेंगे। लेकिन डेढ़ महीने बाद पीड़ितों के जख्म तो हरे ही हैं, और ऐसे में सरकारी हंसी-ठट्ठा उनके जख्मों पर नमक के समान लग रहा होगा।पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की आधी रात में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ किया था, जो 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की सूचना के बाद समाप्त कर दिया गया। हालांकि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री यह कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके तहत आगे और क्या कार्रवाई हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से युद्धविराम की सूचना पहले कैसे आई, क्या अमेरिका ने वाकई भारत और पाकिस्तान के संबंधों में दखलंदाजी की है। क्या यह शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं है, जिसमें यह करार हुआ था कि दोनों देशों के बीच किसी भी मामले में तीसरे पक्ष को नहीं आने दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया तो क्या भारत भी उसी रास्ते पर चल रहा है। क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी। लेकिन प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। बल्कि देश को बताया गया कि अब सात प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर क्यों करना पड़ा, किस तरह पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दी जाती है, इस बारे में दुनिया को आगाह करेंगे। खास बात यह रही कि इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के लोग शामिल थे।सात प्रतिनिधिमंडलों में नेतृत्व की कमान रविशंकर प्रसाद, बैजयंत पांडा, संजय कुमार झा, कनिमोझी करुणानिधि, सुप्रिया सुले, शशि थरूर और श्रीकांत एकनाथ शिंदे को सौंपी गई। इनके नेतृत्व में 51 नेताओं और 8 राजदूतों ने 33 देशों में जाकर भारत सरकार का पक्ष रखा। एकबारगी देखने पर यह पहल ठीक लगी कि नरेन्द्र मोदी ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों को साथ लेने, बल्कि नेतृत्व करने का अवसर भी दिया। लेकिन गहराई से सोचें तो इसके जरिए श्री मोदी ने एक बड़ा खेल करने की कोशिश की।

प्रतिनिधिमंडल को भेजकर वे खुद देश को जवाब देने से बचते रहे। उधर कांग्रेस के ऐसे सांसदों को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया गया जो आसानी से भाजपा के दबाव में आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता

प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुई %प्रगति% (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इम्प्लीमेनटेशन) बैठक में भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा)के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिनियम का सख्त अनुपालन परियोजनाओं की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है।यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है।भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है।ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन-सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक- बीएसएनएल। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकर्ताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से।बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो 'डिजिटल इंडिया' के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है।इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने-ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन-रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है।इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब 'डाकिया डाक लाया' की पारंपरिक छवि की जगह 'डाकिया बैंक लाया' की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे-बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन-देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व-स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है .

बारातियों की कार पलटी, दूल्हे के भाई सहित दो की मौत

लोक प्रेरणा
प्रयागराज के मेजा क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब बारातियों की कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढ़े में पलट गई। इस हादसे में दूल्हे के भाई गोपाल विश्वकर्मा निवासी जेवनियां और उसके साथी कौशलेश निवासी कनिगड़ा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मेजा के जेवनियां गांव से बुधवार रात बारात कोरांव गई थी। बारात लगने के बाद डीजे पर डांस के दौरान बारातियों की घराती पक्ष के कुछ लोगों से मारपीट हो गई। मारपीट में वर पक्ष के घायल एक युवक का इलाज कराने कार से दूल्हे का भाई व अन्य लोग मेजारोड स्थित अस्पताल जा रहे थे। रास्ते में कार अनियंत्रिय होकर सड़क किनारे गड्ढ़े में पलट गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को आननफानन अस्पताल भेजा गया, जहां दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतकों के परिजनों में कोहराम
दुर्घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा रहा। पुलिस भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गयी थी और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूल्हे के भाई गोपाल विश्वकर्मा की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी इस हादसे के बाद शोक की लहर दौड़ गई है। सभी मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच की जा रही है। घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है ।

बाइक की टक्कर से शादी समारोह में शामिल होने आए युवक की मौत

लोक प्रेरणा
मुरादाबाद । मुरादाबाद-टिहरी हाइवे पर किनारे खड़े युवक को बाइक चालक टक्कर मारकर भाग गया। उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात में केस दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।
बुधवार की रात रामपुर के थाना टांडा के गांव रामनगर लतीफपुर निवासी उमर के बेटे नदीम व वसीम रिश्तेदार की शादी में भोजपुर गणेशपुर के बीच में स्थित मैरिज हॉल में आया थ। गर्मी के चलते वसीम हॉल से बाहर निकल कर रोड के किनारे खड़ा हो गया। तभी गणेशपुर देवी दिशा से तेज गति से आ रहा प्लेटिना बाइक चालक उसे टक्कर मारकर फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने दुर्घटना करके मौके से भागी बाइक का फोटो खींच लिया। नदीम घायल भाई का उपचार कराने एंबुलेंस से सीएचसी भोजपुर, पीपलसाना के निजी अस्पताल, चकबेगमपुर में स्थित अस्पताल ले गया। हालत गंभीर होने पर सभी चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस पर परिजन परिजन पाकबड़ा स्थित टीएमयू लेकर गए तब तक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया। पुलिस ने मृतक के नदीम की तहरीर पर बाइक के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। केस की विवेचना उप निरीक्षक राहुल गोयल कर रहे हैं।

गंगा स्नान के दौरान डूबने से राजस्थान के किशोर की मौत

लोक प्रेरणा
बदायूं, : गंगा स्नान के दौरान राजस्थान निवासी किशोर गंगा में डूब गया। गोताखोरों ने गंगा से उसका शव बरामद किया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।
राजस्थान के थाना कटूमर क्षेत्र के गांव सोक निवासी नौ लोग गुरुवार को गंगा स्नान करने के लिए कछला स्थित भागीरथी घाट आए थे। उनके साथ 16 साल के करन सैनी भी थे। स्नान के दौरान सुबह लगभग 11 बजे करन सैनी गंगा में गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें डूबता देखकर गंगा घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। गोताखोरों ने गंगा में छलांग लगा दी। कुछ समय के बाद करन सैनी को गंगा से बाहर निकाल लाए लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस करन सैनी को उझानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां चिकित्सक ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

दवाओं पर GST हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन, UP-UK मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव ने सौंपा ज्ञापन

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में गुरुवार को उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ने जीवन रक्षक उपकरणों और दवाओं पर लगाई जा रही जीएसटी को हटाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। एसोसिएशन ने वित्त मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। प्रदर्शनकारी एसोसिएशन के सदस्यों ने दवाओं की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि और उस पर लगाई जा रही जीएसटी पर गंभीर चिंता व्यक्त की।
उन्होंने कहा कि इससे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर बीमार होने पर इलाज का अत्यधिक वित्तीय बोझ बढ़ गया है। सदस्यों ने सरकार से चिकित्सा उपकरण और दवाओं पर लगने वाले कर को माफ करने का आग्रह किया, ताकि आम जनता को सस्ता और सुलभ इलाज मिल सके।

नोएडा में कोरोना के 16 नए मामले, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा, अब तक 166 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। इस बारे में नोएडा के डिप्टी सीएमओ ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की।
उन्होंने कोरोना के मामलों से संबंधित आंकड़े साझा किए। बताया कि मौजूदा समय में नोएडा में कोरोना के मामलों की कुल संख्या 290 है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए मामले सामने आए हैं। अभी तक 166 मरीज कोरोना से ठीक हो चुके हैं। अभी सक्रिय मामलों की संख्या 124 है।
उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के कोरोना से संबंधित आंकड़े भी पेश किए। बताया कि अब तक 153 महिलाएं और 137 पुरुष कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। बताया कि मंगलवार (10 जून) को हमने कोरोना के मामलों को लेकर बैठक भी बुलाई थी, जिसमें सभी जिलों के अस्पतालों के प्रभारियों को बुलाया गया था और उनसे उनके जिले में कोरोना के मामलों के बारे में जानकारी जुटाई गई थी। उन्होंने बताया कि हमने उनसे पूछा था कि वर्तमान में जिलों में कोरोना की क्या स्थिति है, कितने लोग इससे संक्रमित हैं और अगर किसी भी तरह अप्रिय स्थिति पैदा होती है, तो उनके पास इससे निपटने के लिए क्या कुछ संसाधन मौजूद हैं। इस बारे में हमने पूरी जानकारी जुटाई। इसके अलावा, मरीजों का उपचार कैसे किया जा रहा है, उपचार से संबंधित उपकरण उनके पास हैं या नहीं, बेड की उपलब्धता है या नहीं, ऑक्सीजन है या नहीं, इन्हीं सब चीजों के बारे में उनसे जानकारी जुटाई गई। सभी ने हमें आश्वस्त किया कि घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।
बता दें कि कोविड का एक नया वैरिएंट एनबी 1.8.1 दुनिया के कई हिस्सों में तेजी से फैल रहा है, जिससे नई चिंताएं बढ़ रही हैं। यह वैरिएंट ओमिक्रॉन फैमिली का हिस्सा है, जो जनवरी 2025 में पहली बार पाया गया था। यह भारत के साथ ही अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, चीन, मालदीव और मिस्त्र जैसे देशों में फैल चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'निगरानी में रखा गया वेरिएंट' घोषित किया है, यानी यह इतनी तेजी से फैल रहा है कि इस पर ध्यान देना जरूरी है। लेकिन, अभी इसे बड़ा खतरा नहीं माना गया है।

नाबालिग बेटी के संग दुष्कर्म कर फरार आरोपी पिता गोंडा में गिरफ्तार

असम के कोकराझार से फरार आरोपी को गोंडा आरपीएफ ने दबोचा

लोक प्रेरणा
गोंडा: असम के कोकराझार जिले के रहने वाले एक दुष्कर्म के आरोपी को गोंडा आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ कई दिनों तक दुराचार किया था और गर्भवती होने पर उसका गर्भपात करा दिया था। मामले में केस दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। आरपीएफ टीम ने गिरफ्तार आरोपी को असम पुलिस को सौंपा दिया है। पुलिस टीम उसे लेकर असम रवाना हो गयी है?।
असम प्रांत के कोकराझार जिले के पुलिस अधीक्षक पृथ्वीराज राजखोवा के मुताबिक

कोकराझार थाना क्षेत्र के रहने वाले 42 वर्षीय ऐनुल हक पुत्र समर अली के खिलाफ उसकी नाबालिग बेटी ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि ऐनुलहक अपना नाबालिग बेटी संग जबरन दुराचार करता था। जब वह गर्भवती हो गयी तो आरोपी ने उसे एक प्राइवेट अस्पताल ले जाकर उसका गर्भपात करा दिया। इस मामले में उसकी पीडिता बेटी ने ऐनुलहक के खिलाफ कोकराझार थाने में दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी ऐनुलहक फरार हो गया था।
पुलिस उसकी तलाश में थी। बृहस्पतिवार को आरोपी की लोकेशन गोंडा रेलवे स्टेशन के पास मिली तो असम पुलिस ने आरपीएफ इंस्पेक्टर अनिरुद्ध राय से संपर्क किया। इसके बाद आरपीएफ टीम एक्टिव हो गयी। कुछ ही देर में टीम ने आरोपी ऐनुलहक को दबोच लिया। आरपीएफ पोस्ट कमांडर अनिरुद्ध राय ने बताया कि लिखापढ़ी के बाद दुष्कर्म के आरोपी ऐनुलहक को असम के कोकराझार जिले की पुलिस को सौंप दिया गया है।

असम के एसपी ने पोस्ट कमांडर को दिया प्रशस्ति पत्र
आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई के लिए असम के कोकराझार जिले के एसपी पृथ्वीराज राजखोवा ने पोस्ट कमांडर और उनकी टीम की सराहना की और अपनी तरफ से एक प्रशस्ति पत्र पोस्ट कमांडर अनिरुद्ध राय को दिया। एसपी ने प्रशस्ति पत्र में लिखा कि गोंडा आरपीएफ की टीम और इंस्पेक्टर अनिरुद्ध की त्वरित कार्रवाई से एक शातिर अपराधी को पकड़ने मे कामयाबी मिल मिली है। एसपी की तरफ से असम से आई हुई पुलिस टीम ने यह प्रमाणपत्र पोस्ट कमांडर को दिया।

पचावरी गौशाला का वीडियो वायरल

हाथरस। क्षेत्र के गांव पचावरी में स्थित गौशाला का एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। वीडियो में एक मृत गाय को आवारा कुत्ता नोचता हुआ दिखाई दे रहा है। गौशाला में कोई देखरेख करने वाला मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। ग्रामीणों ने मामले की तत्काल जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह घटना पशु क्रूरता अधिनियम का उल्लंघन भी है। इस पूरे प्रकरण बीडीओ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि वीडियो की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सबूत मिलने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास

लोक प्रेरणा
फिरोजाबाद। न्यायालय ने गुरुवार को हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर दोनों को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।
थाना दक्षिण के मालवीय नगर निवासी पप्पू नलकूप आपरेटर की नौकरी करता था। उसे मोहल्ले के ही दो युवक 30 अक्टूबर 2020 को घर से बुलाकर ले गए थे। उसके बाद वह लौट कर नहीं आया। पप्पू की पत्नी ने दोनों युवकों के घर जाकर पता किया तो उन लोगों ने उसे भगा दिया। बाद में पप्पू का शव मिला उसकी पत्थर से हमला कर हत्या की गई थी।
पप्पू की पत्नी विपिन देवी ने बबलू पुत्र राम भरोसी तथा विजय उर्फ कल्लू पुत्र हरिओम निवासी मालवीय नगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने विवेचना के बाद दोनों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया।

शाहजहांपुर : गेहूं बेचकर पत्नी को भेजे रुपये, फिर गांव के बाहर लगा ली फांसी

छह माह से पत्नी रह रही थी मायके, पत्नी से बुधवार को फोन पर हुई थी बात

लोक प्रेरणा
रोजा/शाहजहांपुर, । मायके में रह रही पत्नी से पति की फोन बात हुई। पत्नी ने ससुराल आने के लिए पति से 1500 रुपये ऑनलाइन खाते में मंगवा लिए। इसके बाद भी ससुराल आने से मना कर दिया। इससे आहत पति ने कहा कि ससुराल नहीं आओगी तो आत्महत्या कर लूंगा। पत्नी ने कहा कि जो करना है कर लो। इसके बाद पति ने गांव के बाहर खड़े पेड़ से रस्सी का फंदा गले में डालकर जान दे दी।
रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के दिलावर भटकर निवासी 26 वर्षीय करन की शादी दो साल पहले हरदोई जिले के कस्बा रूपापुर की आरजू से हुई थी। उसकी पत्नी छह माह से अपने एक साल के बेटे के साथ मायके में रह रही थी। करन अपनी पत्नी को लेने ससुराल एक माह में तीन बार गया था। उसकी पत्नी ने आने से मना कर दिया। बुधवार की सुबह उसके पास पत्नी का फोन आया और कहा कि 1500 रुपये आनलाइन भेज दो और उसके बाद ससुराल आ जाऊंगी। करन ने घर में रखे गेहूं बाजार में बेच दिए और 1500 रुपये आनलाइन पत्नी को खाते में भेज दिए। उसने पत्नी को शाम को फोन किया और कहा कि ससुराल आ जाओ। पत्नी ने इसके बाद भी ससुराल आने से मना कर दिया। करन ने पत्नी से कहा कि ससुराल नहीं आयोगी तो आत्महत्या कर लूंगा। इस पर पत्नी ने कहा कि जो कुछ करना हो कर लो। यह सुनकर वह डिप्रेशन में आ गया। करन बुधवार की रात कमरे में सोने के लिए चला गया। रात में किसी समय वह उठा और गांव के बाहर एक पेड़ से रस्सी का फंदा गले में डालकर जान दे दी। गुरुवार की सुबह लोगों ने उसका शव लटका देखा। परिवार वाले मौके पर पहुंचे और देखा कि करन का शव लटका हुआ था।
प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को उतार लिया। मृतक के ममेरे भाई आशीष सिंह ने बताया कि उसकी पत्नी आरजू छह माह से मायके में रह रही थी और ससुराल नहीं आना चाहती थी। उसके ममेरे भाई करन ने पत्नी को ऑनलाइन रुपये भेज दिए थे। उसे उम्मीद थी कि अब शायद उसकी पत्नी ससुराल आ जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पैसे भेजने के बाद भी उसकी पत्नी ने ससुराल आने से मना कर दिया था। जिसके बाद करन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक करन के दो भाई अमन और हर्षित हरिद्वार में नौकरी करते हैं।

महिला के अश्लील वीडियो कॉल न करने पर युवक ने की थी आत्महत्या

उसहैत क्षेत्र के गांव कुंवरगांव निवासी अमित की कनपटी पर गोली लगने से हुई थी मौत

लोक प्रेरणा
बदायूं, । उसहैत थाना क्षेत्र के गांव कुंवरगांव निवासी युवक की खेत पर गोली लगने से मौत हो गई थी। परिजन की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस ने जांच की तो मामला आत्महत्या का निकला। युवक का उन्नाव निवासी एक महिला से प्रेम प्रसंग था। वह महिला पर अश्लील वीडियो कॉल करने का दवाब बना रहा था और ऐसा न करने पर गोली मारकर आत्महत्या करने की धमकी दे रहा था। महिला से वीडियो कॉल करके डराने को उसने पहला हवाई फायर किया और फिर खुद ही अपनी कनपटी पर गोली मारी थी।
गांव कुंवरगांव निवासी सतीश चंद्र ने पुलिस को सूचना देकर बताया था कि 7 जून की रात उनके नाती अमित कुमार पुत्र रजनीश के साथ ताराचंद, पप्पू, जाफर खेत पर बने ट्यूबवैल पर शराब पी रहे थे। रात लगभग 10 बजे ताराचंद उनके घर आया और कहा था कि अमित की तबीयत खराब है। खून बह रहा है। सतीश अपने बेटे आशीष व आदेश के साथ खेत पर पहुंचे अमित के पेट पर मोबाइल और चारपाई पर तमंचा रखा था। अमित की दाहिनी आंख के पास गोली लगने से घाव था। पुलिस मौके पर पहुंची थी। अमित कुमार के पास से मोबाइल, पेंट की जेब से एक चला हुआ कारतूस व दूसरी जेब में जिंदा कारतूस के अलावा एक गोली पास में पड़ी मिली जो अमित कुमार के सिर के पार होकर दीवार से टकराकर चारपाई के पास गिर गई थी। सतीश की तहरीर पर पुलिस ने ताराचंद, पप्पू और जाफर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर-के जांच शुरू की। मौके की स्थिति को देखते हुए आत्महत्या ही लग रही थी। पुलिस ने अगले दिन तमंचा बरामद किया था। फारेंसिक टीम ने अमित के हैंड स्वैब, खोखा, जिंदा कारतूस, तमंचा फारेंसिक लैब भेजा गया है। जांच के बाद पुलिस ने माना है कि अमित की हत्या नहीं हुई बल्कि उसने आत्महत्या की थी। लैब से रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
शादी करने, मिलने आने और संबंध बनाने का बनाता था दवाब
पुलिस ने अमित के मोबाइल नंबर की सीडीआर निकलवाई। घटना के दिन दो मोबाइल नंबर पर 18 बार फोन किया गया था। उन नंबरों की कैफ आइडी लेने पर पता चला कि वह नंबर जिला उन्नाव क्षेत्र के फतेहपुर चौरासी निवासी महिला का है। पुलिस ने महिला से पूछताछ की। बताया कि उसने अपने मोबाइल से देवर रवि के नाम से फेसबुक पर आईडी बनाई थी। जिसके जरिए उसका एक साल पहले अमित कुमार से संपर्क हुआ था। कुछ दिनों के बाद दोनों ने एक-दूसरे को मोबाइल नंबर बताए। दोनों में बात शुरू हो गई। महिला ने बताया कि अमित ने उसे घटना के दिन वीडियो कॉल करके चार गोली और एक तमंचा दिखाया था।
वह शादी करने और फोन पर गंदी बातें करने का दवाब बनाता था। घटना वाले दिन वह बार-बार फोन करके वीडियो कॉल पर उसके अश्लील फोटो दिखाने की जिद कर रहा था। साथ ही उससे मिलने आने और संबंध बनाने की बात कहता था। इन सबके लिए महिला ने मना किया तो अमित ने वीडियो कॉल पर तमंचा व गोली दिखाई और एक हवाई फायर किया। महिला से कहा कि अगर मिलने नहीं आओगी तो वह गोली मार लेगा। महिला ने उसे ऐसा न करने को समझाया। महिला से बात करते-करते अमित ने दूसरी गोली चला दी। फिर दोनों की बात बंद हो गई थी। अमित की मौत जानकर डर की वजह से उसने अमित को रात में फोन नहीं किया। अगले दिन फोन मिलाया तो नंबर बंद आया था।

फर्जी क्लिनिक में डिलीवरी के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया

लोक प्रेरणा
हापुड़। जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी क्लिनिक पर उस समय हड़कंप मच गया जब डिलीवरी के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। घटना सुरेन्द्री क्लिनिक की है, जहां परिजनों ने क्लिनिक संचालिका महिला डॉक्टर सुरेन्द्री पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

डिलीवरी के बाद बिगड़ी तबीयत, डॉक्टर ने नहीं सुनी बात?
पीड़ित परिवार के अनुसार, महिला को डिलीवरी के बाद सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और उसने बार-बार डॉक्टर सुरेन्द्री से ऑक्सीजन देने की गुहार लगाई। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर ने उनकी एक न सुनी और आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई, जिससे महिला की मौत हो गई।
मृतक महिला की डिलीवरी दरअसल पास ही के एक खान अस्पताल में कराई गई थी, लेकिन डिलीवरी के तुरंत बाद उसे सुरेन्द्री क्लिनिक में शिफ्ट कर दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर परिजनों के मन में गंभीर संदेह है।

क्लिनिक में नहीं थी ऑक्सीजन और न कोई विशेषज्ञ डॉक्टर
स्थानीय सूत्रों और पीड़ित परिवार के मुताबिक, सुरेन्द्री क्लिनिक में न तो ऑक्सीजन की सुविधा थी और न ही प्रशिक्षित डॉक्टर या आपातकालीन स्थिति से निपटने की कोई व्यवस्था। सवाल यह भी उठता है कि ऐसे क्लिनिक आखिर कैसे चल रहे हैं, और प्रशासन अब तक इन्हें बंद क्यों नहीं कर रहा?

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर उठे सवाल
हापुड़ में पहले भी कई बार झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध क्लिनिकों के कारण लोगों की जान गई है। लेकिन बावजूद इसके, स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी ठोस कार्रवाई के संकेत नहीं मिले हैं। बाबूगढ़ क्षेत्र सहित जनपद के कई इलाकों में अवैध और अपंजीकृत क्लिनिक धड़ल्ले से चल रहे हैं।
स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से यदि समय रहते निगरानी और छापेमारी होती, तो इस प्रकार की घटनाएं रोकी जा सकती थीं।

परिजनों की मांग: डॉक्टर पर हो हत्या का मुकदमा
मृतक महिला के परिजनों ने मांग की है कि डॉक्टर सुरेन्द्री के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और क्लिनिक को तत्काल प्रभाव से सील किया जाए। साथ ही उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ और स्वास्थ्य मंत्री से मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

प्रशासनिक चुप्पी और ग्रामीणों का आक्रोश
घटना के बाद से ही इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग सड़क पर उतरने की चेतावनी दे रहे हैं यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की मिलीभगत से ही इस तरह के झोलाछाप क्लिनिक पनप रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

मृदा स्वास्थ्य, पशुपालन, मछली पालन व ड्रोन तकनीक पर विशेष जानकारी

लोक प्रेरणा
सीतापुर । विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र-2, सीतापुर द्वारा जनपद के विभिन्न विकास खंडों के गांवों में एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, पशुपालन, मृदा स्वास्थ्य, मछली पालन, तथा सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं से अवगत कराना था।
प्रथम टीम द्वारा ग्राम लालपुर, लखनपुर व गुलरामऊ (विकास खंड-महमूदाबाद) में कुल 569 कृषक एवं कृषक महिलाओं को संबोधित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. आनंद सिंह (पशुपालन

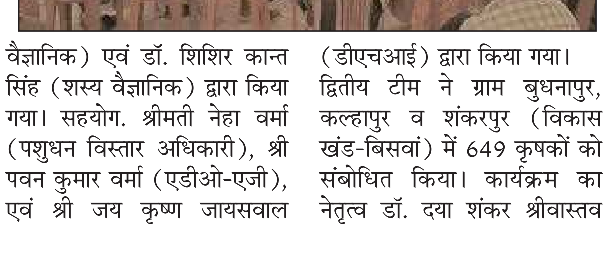

वैज्ञानिक) एवं डॉ. शिशिर कान्त सिंह (शस्य वैज्ञानिक) द्वारा किया गया। सहयोग. श्रीमती नेहा वर्मा (पशुधन विस्तार अधिकारी), श्री पवन कुमार वर्मा (एडीओ-एजी), एवं श्री जय कृष्ण जायसवाल (डीएचआई) द्वारा किया गया।
द्वितीय टीम ने ग्राम बुधनापुर, कल्हापुर व शंकरपुर (विकास खंड-बिसवां) में 649 कृषकों को संबोधित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष) ने किया। साथ में डॉ. शरद कुमार सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, कउअफ-ठइऋऋफ), डॉ. देव नारायण (एसटीओ, कउअफ-ठइऋऋफ), डॉ. रविंद्र कुमार (एडीओ-एजी), श्री दीपेश सिंह (विषय वस्तु विशेषज्ञ), श्रीमती सुनीता वर्मा (ड्रोन दीदी) एवं श्री राजीव कुमार गुप्ता (उद्यान विभाग) की सक्रिय सहभागिता रही। इस टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के साथ इजराइल की तेल अवीव यूनिवर्सिटी से निकोल कटलर (प्रोजेक्ट मैनेजर) और अमित किलोस्कर (ढँ.ऊ. स्कॉलर) भी शामिल हुए।
तृतीय टीम द्वारा ग्राम बेहटी मंसाह, पचदेवरा एवं बेरसापुर (विकास खंड-पहला) में 437 कृषकों को तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन श्री सचिन प्रताप तोमर (मृदा वैज्ञानिक) एवं श्री शैलेन्द्र सिंह (कृषि प्रसार वैज्ञानिक) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री सरोज कुमार (एडीओ-एजी) ने भी सहयोग प्रदान किया।
इन कार्यक्रमों में किसानों को जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, फसल विविधिकरण, ड्रोन तकनीक, एकीकृत कृषि प्रणाली, पशुपालन एवं मछली पालन पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। महिला कृषकों की भी सराहनीय सहभागिता रही। समस्त कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा द्वारा संपन्न किया गया।

मेधावी छात्रों को सीएम योगी ने किया सम्मानित, कहा- छात्र सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें

लोक प्रेरणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसी संपत्ति सामूहिक प्रयास का परिणाम है और किसी भी परिस्थिति में इसे नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

मेधावी छात्रों को सम्मानित करने और स्कूल खेल पुरस्कार वितरित करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, सार्वजनिक संपत्ति निजी संपत्ति नहीं है - यह पूरे समाज के योगदान से बनी है। अगर कोई इसे नुकसान पहुंचाता है तो वह देश को नुकसान पहुंचा रहा है। इस तरह के कृत्यों को रोका जाना चाहिए, सूचना दी जानी चाहिए और उजागर किया जाना चाहिए।

सीएम आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की रिकॉर्डिंग करने और सूचना देकर कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आप सभी के पास मोबाइल फोन हैं। अगर आप किसी को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते देखें तो उसका वीडियो बनाएं और उसे वायरल करें। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पोस्टर के जरिए उस व्यक्ति की पहचान की जाए और उससे वसूली की जाए।

उन्होंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नकल-मुक्त परीक्षाएं

सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रशंसा की और 2017 से राज्य की शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पहले, शिक्षा के नाम पर सामूहिक नकल एक धंधा बन गया था। लोग परीक्षा फॉर्म भरते थे और परीक्षा देने के लिए किसी और को नियुक्त करते थे। परिणाम प्रमाणपत्र के साथ घर भेजे जाते थे। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी थी।

उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने इस तरह की अवैध गतिविधियों को बंद करने और एक पारदर्शी, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए खुद की सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि पहले जिन परीक्षाओं को आयोजित करने में दो से तीन माह लगते थे वे अब सिर्फ 13 दिन में समाप्त हो जाती हैं। उन्होंने छात्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, परीक्षाएं छात्रों को परेशान करने का माध्यम नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनका मूल्यांकन करने और उन्हें प्रतिस्पर्धी भावना के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने का माध्यम होना चाहिए।

यूपीटी-20 लीगः राजधानी में मिनी नीलामी 18 जून को, BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला करेंगे निगरानी

लोक प्रेरणा

लखनऊ, : आईपीएल की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में यूपीटी-20 लीग के तीसरे संस्करण की तैयारियां अंतिम चरण में है।

इसके लिए पहली मिनी नीलामी 18 जून को राजधानी में आयोजित होगी। इस नीलामी की निगरानी बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला करेंगे। पिछले वर्ष की मेगा नीलामी में 171 खिलाड़ियों में से 91 को छह फ्रेंचाइजियों ने चुना था। छह टीमों ने अपने प्रमुख खिलाड़ियों को पहले ही रिटेन कर चुकी हैं।

वहीं रिलीज किए गए कई खिलाड़ियों की जगह भरने के लिए टीमें उत्सुक हैं। मेरठ मावेरिक्स ने लीग के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर स्वास्तिक चिकारा और सबसे अधिक विकेट लेने वाले जीशान अंसारी के साथ रिंकू सिंह, रितुराज शर्मा, यश, माधव कौशिक, अक्षय, दिव्यांश, रजत, रितिक, विजय और विशाल को इस बार भी रिटेन किया है। वहीं काशी रुद्र ने कप्तान करण शर्मा, शिवम मावी, शिवं, सुनील,यशोवर्धन, अर्नव बलियान और अमर चौधरी को बरकरार रखा है।

इसके साथ ही कानपुर सुपरस्टार्स ने मोहसिन खान, समीर रिजवी, आकिब खान, विनीत पनवार, शौर्य सिंह, आदर्श सिंह, मुकेश कुमार, शुभम मिश्रा, पंकज कुमार और अभिषेक पांडे को चुनाव किया है। लखनऊ फाल्कन्स ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम, आराध्या यादव, अभिनंदन सिंह, समर्थ सिंह, प्रियम गर्ग, अक्षु बाजवा,कृतज्ञ सिंह, समीर चौधरी, किशन कुमार सिंह, पर्व सिंह और प्रांजल सैनी को बरकरार रखा है। वहीं गोरखपुर लायंस ने ध्रुव जुरेल, यश दयाल, आर्यन जुयाल, अक्षदीप नाथ, शिवम शर्मा, अब्दुल रहमान, विजय यादव, अंकित चौधरी, रोहित द्विवेदी, हरदीप सिंह, विशाल निशाद और सिद्धार्थ यादव को बनाए रखा है। नोएडा किंग्स ने सात खिलाड़ियों जिसमें मोहम्मद अमान, मोहम्मद शरीम, काव्या तेवतिया, कुणाल त्यागी, नमन तिवारी, प्रशांत वीर, आदित्य शर्मा, अजय कुमार और राहुल राजपाल को एक बार रिटेन कया है।

पिछले संस्करण में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लखनऊ फाल्कन्स की ओर से 30.25 लाख रुपये में खरीदा गया था, जो लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। 34 मैचों वाली इस लीग में उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टैलेंट स्काउट्स का ध्यान अपनी ओर खीचनें के लिए सुनहरा मौका होगा। हाल ही में संपन्न 18वें आईपीएल में आधा दर्जन यूपी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश, सीएम योगी और अखिलेश यादव ने जताया शोक

लोक प्रेरणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने इस घटना को "बेहद दुखद" बताया और पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल के सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे।

सीएम योगी ने जताया दुख

आदित्यनाथ ने कहा, "अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की खबर बहुत दुखद है। इसमें कई यात्रियों की जान चली गई है। मैं ईश्वर से सभी की सुरक्षा की प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि ऐसी घटनाओं में और लोगों की जान न जाए।"

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के लिए शक्ति और साहस की प्रार्थना की और उन्हें दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार की एकजुटता का आश्वासन दिया। उन्होंने ये टिप्पणी राज्य की राजधानी में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की।

अखिलेश यादव ने ट्वीट कर जताया दुख

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अहमदाबाद विमान हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि इस दुखद दुर्घटना का त्वरित स्पष्टीकरण सामने आना चाहिए ताकि सभी प्रकार की आशंकाएं दूर हो सकें।

अखिलेश यादव ने सभी यात्रियों और क्रू मेंबर की सलामती के लिए प्रार्थना की साथ ही उन्होंने पीड़ित के लिए बचाव और राहत के लिए सर्वोच्च सुविधाओं की मांग की। घटना को बेहद पीड़ादायक बताते हुए संवेदनाये प्रकट की हैं।

यूपी बोर्ड टॉपर्स में शामिल कन्नौज के छात्र छात्राएं सम्मानित

छात्रों को मिले टैबलेट, 21 हजार की चेक व प्रशस्ति पत्र

लोक प्रेरणा

कन्नौज। आज लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी बोर्ड टॉपर्स को किया सम्मानित किया। सम्मानित छात्र छात्राओं में जनपद कन्नौज के भी दो मेधावियों को सरकार से सम्मान मिला।

हाई स्कूल परीक्षा में यूपी मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले कन्नौज के होनहार छात्र अभय दीक्षित (सप्तम स्थान) तथा इंटरमीडिएट में अनुराधा राजपूत (नवां स्थान) को एक-एक लाख रुपये की सम्मान राशि, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर राज्यमंत्री असीम अरुण ने सम्मानित किया।

जनपद स्तर पर हाई स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में हरेन्द्र राजपूत (प्रथम), निखिल सिंह (द्वितीय), कृति यादव (तृतीय), अंशिका (चतुर्थ), शिव कुमार मिश्र (पाचवां), निधि राजपूत (छटवां), निशा (सातवां), आकाश (आठवां), हर्ष कुमार (नवां) और प्रान्जल, प्रतीक राजपूत, वर्षा, शक्ति पाल, पूर्णिमा पाठक (संयुक्त रूप से दसवें स्थान) इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में अर्जली राजपूत (द्वितीय), गरिमा (तृतीय), अंक्षिता सिंह (चर्तुथ), दिव्या राजपूत (पाचवां), अमन सिंह (छटवां), आकांक्षा पाल (सातवां), ऋषि कुमार (आठवां), छाया राजपूत (नवां) व विशाखा (दसवां) को मंत्री असीम अरुण, डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री एवं तिर्वा विधायक कैलाश राजपूत, छिबरामऊ विधायक अर्चना पाण्डेय ने 21-21 हजार रुपये की डेमो चेक, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मंत्री असीम अरूण ने मेधावी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज सीएम योगी ने लगभग 180 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया है। जिसमें प्रशासनिक भवन, विद्यालय आदि जो लम्बे समय से लम्बित है उन योजनाओं को एक नई दिशा मिली है।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, मुख्य विकास अधिकारी वीर सिंह भदौरिया, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, पार्टी जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्री डा० पूरन सिंह, जनप्रतिनिधि, सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

चारों मेधावी छात्रों के अनुरूप विद्यालय में कराएंगे कार्य: असीम अरुण

यूथ इंडिया संवाददाता

उन्होंने कहा कि सदर विधानसभा के 4 मेधावी बच्चों को उनकी मंशानुरूप विद्यालय में प्रयोगशाला, उपकरण व अन्य व्यवस्थाओं के लिए निर्णय लेते हुये 02-02 लाख रुपए का प्रस्ताव बनाकर देंगें, बच्चों के प्रस्ताव के आधार विद्यालय में कार्य कराये जायेगें। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने बच्चों को अच्छी सुविधाएं दें।

युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

लोक प्रेरणा

शाहजहांपुर एक पारिवारिक विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया। थाना आरसी मिशन क्षेत्र के दिलावरपुर भटकर निवासी 25 वर्षीय करन ने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

करन की शादी दो साल पहले हरदोई जिले के थाना रूपापुर क्षेत्र की रहने वाली आरजू से हुई थी। दंपती का एक साल का बेटा है। परिजनों के अनुसार, आरजू पिछले छह महीने से अपने मायके में रह रही थी। करन ने पिछले दस दिनों में तीन बार उसे वापस लाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं आई।

ममेरे भाई आशीष सिंह राठौर ने बताया कि आरजू मकान में हिस्सा मांग रही थी। वह अक्सर करन से खर्चे के लिए पैसे मांगती थी। बेरोजगार करन पैसे नहीं दे पाता था। बुधवार को भी आरजू ने फोन कर पैसों की मांग की। करन ने घर में रखा 50 किलो गेहूं बेचकर 1500 रुपये उसे ऑनलाइन भेजे।

पुलिस के सामने मारपीट इसके बाद करन ने पत्नी से घर आने को कहा। उसने मना कर दिया। करन ने कहा कि अगर वह नहीं आई तो वह आत्महत्या कर लेगा। पत्नी ने कहा कि जो करना है कर लो। इसके बाद करन ने फांसी लगा ली। ममेरे भाई ने कहा कि फांसी लगाने की सूचना पर पत्नी अपनी मां और भाई के साथ घर आई और आते ही करन की मां के साथ मारपीट शुरू कर दी। जबकि उस समय पुलिस भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री योगी ने बाल श्रम को बताया अभिशाप, बच्चों की सुरक्षा के लिए लोगों से की यह खास अपील

लोक प्रेरणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को बाल श्रम को एक अभिशाप बताया और नागरिकों से इस प्रथा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और नैतिक मूल्य मिलें।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने कहा, बाल श्रम अभिशाप है, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आइए, इस विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और संस्कार से जोड़ने का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता और सहयोग से ही हम एक संवेदनशील, सशक्त समाज के भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस प्रतिवर्ष 12 जून को मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2002 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा विश्व भर में बाल श्रमिकों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए की गई थी।

भीषण गर्मी की चपेट में यूपी, व्हऊने दी राहत भरी खबर,14 जून से बारिश की संभावना

लोक प्रेरणा

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी अपना कहर बरपा रही है। हालांकि अगले 48 घंटों के दौरान पूर्वी उप्र. में कहीं-कहीं पर बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके बाद धीरे-धीरे 3-5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। न्यूनतम तापमान में भी 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। वहीं, 12-13 जून से राज्य के ज्यादातर जिलों में बारिश का दौर शुरु होने का अनुमान है। इस दौरान मेघगर्जन के साथ वज्रपात और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

दरअसल, केरल में समय से 10 दिन पहले दक्षिण पश्चिम मानसून की दस्तक देने के बाद उत्तर प्रदेश में अगले 5-10 दिनों के अंदर मानसून के पहुंचने का अनुमान है। संभावना है कि 15 से 20 जून के बीच कभी भी मानसून प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में मानसून के 15 -20 जून को आता है, लेकिन इस बार समय से पहले मानसून के दस्तक देने की उम्मीद है। इस बार उप्र. में सामान्य से अच्छी बारिश होने की संभावना है।

किसानों का संबल बनाएगी योगी सरकार, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की शुरूआत

लोक प्रेरणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दुर्घटना में किसी किसान की मृत्यु-दिव्यांगता आदि होने पर आश्रितों/परिवारों के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना संबल बनी है। यह योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। योजना के अंतर्गत दुर्घटनावश मृत्यु-विकलांगता की दशा में अधिकतम पांच लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत शुक्रवार (13 जून) को अंबेडकर नगर के शिवबाबा मैदान में जनपद के 431 लोगों को सहायता राशि का चेक प्रदान करेंगे।

इसमें 408 लोगों को पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। 10 लोगों को ढाई लाख, एक किसान परिवार को 1.25 लाख व 12 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि का डेमो चेक प्रदान किया जाएगा। कुल राशि 20 करोड़, 78 लाख, 25 हजार रुपये (लगभग 21 करोड़) है। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में जाएगी।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत अब तक प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 11690 लोगों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इन्हें योगी सरकार द्वारा 5 अरब, 61 करोड़, 86 लाख, 28,200 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

साले ने जीजा का किया कत्ल, पुलिस जांच में दहला देने वाला खुलासा

लोक प्रेरणा

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक साले ने अपने ही जीजा की हत्या कर दी है। इतना ही नहीं, हत्या करने के बाद साले ने जीजा के शव को जंगल में ले जाकर दफन भी कर दिया। इस हत्याकांड का खुलासा पुलिस जांच में हुआ है।

दरअसल, राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात हुई है। साले ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जीजा राहुल का पहले अपहरण किया, बाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी है। इसके बाद शव को सरोजनी नगर स्थित जंगल में तीन फुट गहरा गड्ढा खोदकर दफना दिया।

पुलिस जांच में इस हत्याकांड का खुलासा हुआ, जिसमें मुख्य आरोपी साला सूरज गुप्ता और उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया। हत्या की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस ने शव बरामद कर लिया और मामले की जांच जारी है।

निर्माण कार्यों की डीएम ने की समीक्षा, कहा - विलंब होने पर जिम्मेदारी होगी तय

उन्होंने सिंचाई विभाग लम्बित कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रगति में सुधार दिखना चाहिए अन्यथा जिम्मेदारी तय की जाएगी।

लोक प्रेरणा

कन्नौज। आज जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राजकीय पुरातत्व संग्रहालय भवन के सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्वार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि राजकीय पोलीटेकनिक तिर्वा में आवसीय भवनों का निर्माण कार्य एवं बाहय न्यायालय छिबरामऊ कोर्ट रूम एवं मीटिंग हाल का निर्माण कार्य तथा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ आवास का निर्माण कार्य व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कन्नौज में ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट का निर्माण कार्य और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उमर्दा ब्लाक परिसर में हेल्थ यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

डीएम ने कहा कि डा० भीमराव रामजी अम्बेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय परिसर की सड़कों की मरम्मत का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए तथा महाविद्यालय में श्रेणी-4 एवं श्रेणी-5 के आवास के निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।

उन्होंने सिंचाई विभाग लम्बित कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रगति में सुधार दिखना चाहिए अन्यथा जिम्मेदारी तय की जाएगी।

दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन विशेष शिविर

खैराबाद सीतापुर । विकास खण्ड खैराबाद के सभागार में शुक्रवार को दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक खैराबाद ब्लॉक परिसर में आयोजित किया जाएगा।

खण्ड विकास अधिकारी के पत्र के अनुसार, यह शिविर जिलाधिकारी सीतापुर के निर्देशों के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना के तहत पात्र दिव्यांगजनों को चिन्हित किया जाएगा।

शिविर में मिलने वाली मुख्य सुविधाएं:

1. कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना:
ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, नेत्रहीन छड़ी, स्मार्टकेन, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए स्मार्टफोन/टैबलेट, कृत्रिम हाथ-पैर आदि।

2. शादी विवाह प्रोत्साहन योजना:
ऐसे दिव्यांग दंपतियों का चिन्हांकन जिनका विवाह विगत या वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो।

3. कावलियर इम्प्लांट/शल्य चिकित्सा योजना:
बोल-सुन न सकने वाले बच्चों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट व पोलियो करेक्टिव सर्जरी हेतु चिन्हांकन।

शिविर में भाग लेने वाले दिव्यांगजनों के लिए जरूरी दस्तावेज:

दो पासपोर्ट साइज फोटो
आधार कार्ड की छायाप्रति
न्यूनतम 40% दिव्यांगता प्रमाण पत्र
आय प्रमाण पत्र (46,080/- तक)

महत्वपूर्ण निर्देश:
ऐसे लाभार्थी ही भाग लें जिन्हें पिछले तीन वर्षों में उक्त योजनाओं का लाभ न मिला हो।
ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शिविर का व्यापक प्रचार करें और पात्र दिव्यांगजनों को प्रतिभाग हेतु प्रेरित करें।

यूपी के किसानों को केंद्र सरकार की बड़ी सौगात, अब मूंग और मूंगफली की होगी MSP पर खरीद

लोक प्रेरणा

लखनऊ, । प्रदेश में मूंग और मूंगफली की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होगी। केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद को मंजूरी दे दी। बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान व प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई बैठक में यह जानकारी साझा की गई।

बैठक में बताया गया कि जायद 2024-25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है।

प्रदेश के कृषि मंत्री ने प्रदेश के किसानों के जरिये उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने स्वीकार कर लिया।

शासन के अधिकारियों ने बताया कि जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।

केंद्र सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित होंगे। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय कृषि मंत्री ने आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि का आश्वासन दिया है।

राजस्थान समाज गाजियाबाद 1974 द्वारा दो दिव्यांग जनों को कृत्रिम पैर लगवाए गए

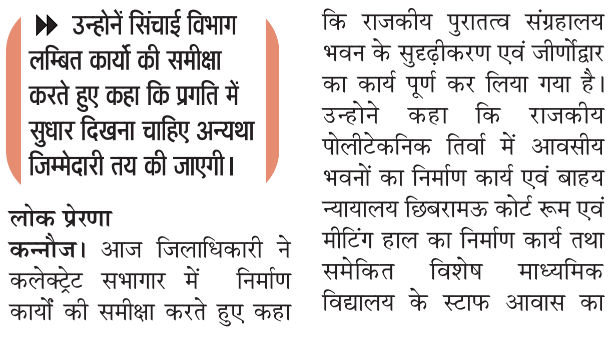

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । राजस्थान समाज गाजियाबाद 1974 द्वारा दो दिव्यांग जनों को कृत्रिम पैर लगवाए गए। दोनों दिव्यांग जनों को कृत्रिम पैर गुरुवार को मुरादनगर स्थित जीवन आशा अस्पताल में लगवाए गए। संस्था की अध्यक्ष बबीता गुटगुटिया ने बताया कि कृत्रिम पैर लग जाने से दोनों दिव्यांग अब सामान्य आदमी की तरह ही जीवन जी सकेंगे और अपना व अपने परिवार का पालन पोषण भी आसानी से कर सकेंगे। संस्था जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहती है और जरूरतमंद कन्याओं की शादी से लेकर दिव्यांगों को कृ.त्रिम हाथ-पैर लगवाने आदि के कार्य लगातार करती रहती है। इसमें संस्था की सभी सदस्याओं का सहयोग रहता है।

सिपाही भर्ती के चयनित 60,244 अभ्यर्थियों को अमित शाह और सीएम योगी देंगे नियुक्ति पत्र, लखनऊ में 15 जून को भव्य समारोह

डीआईजी रेंज बरेली, अजय साहनी ने इस संबंध में बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं के पुलिस कप्तानों को दिशा निर्देश जारी किये हैं।

लोक प्रेरणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी के पद पर चयनित 60,244 अभ्यर्थियों को 15 जून को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में एक भव्य समारोह में नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। सिपाही भर्ती परीक्षा में चयनित यूपी के सभी अभ्यर्थियों को विशेष वाहनों से लखनऊ पहुंचाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बरेली जोन से 1488 अभ्यर्थी आरक्षी के पद पर चयनित हुए हैं। इसमें 1240 पुरुष और 248 महिलाएं शामिल हैं।

डीआईजी अजय साहनी ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं-चारों जिलों के पुलिस अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 35 विशेष बसों से लखनऊ ले जाया जाएगा। जिलों में एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारियों को नोडल अफसर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा चारों जिलों से चार-चार सीओ अभ्यर्थियों के साथ लखनऊ जाएंगे।

डीआईजी रेंज बरेली, अजय साहनी ने इस संबंध में बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं के पुलिस कप्तानों को दिशा निर्देश जारी किये हैं। जिसमें कहा है कि अभ्यर्थियों के खाने-पीने, ठहरने के बेहतर प्रबंध किए जाएंगे।

मार्ग पर यातायात प्रबंधन चाकचौबंद रखा जाए। महिला अभ्यर्थियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता रहेगी। अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने पाए। बरेली में एसपी ट्रैफिक, बदायूं और शाहजहांपुर के एसपी देहात और पीलीभीत में एडिशनल एसपी अभ्यर्थियों की पूरी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

बरेली और शाहजहांपुर में रहेंगे दो स्टापेज

लखनऊ में नियुक्ति पत्र लेने जाने वाले अभ्यर्थियों के साथ चार सीओ स्तर के अधिकारी भी जाएंगे। इसके अलावा सभी बसों में सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

मेरठ और मुरादाबाद से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए बरेली और शाहजहांपुर में दो स्टॉपेज बनाए गए हैं। उनके ठहरने की व्यवस्था की गई है। वे यहां एक दिन रुककर लखनऊ के लिए रवाना होंगे। अब बात करें अभ्यर्थियों के जिलावार चयन की तो बरेली से 612 अभ्यर्थी आरक्षी के पद पर चयनित हुए हैं। पीलीभीत से 157, शाहजहांपुर से 261 और बदायूं से 458 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। राज्य सरकार ने एक भव्य समारोह में इन्हें नियुक्ति पत्र देने की तैयारी की है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्रालय ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख जताया है। राष्ट्रपति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे शोक संदेश में अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख प्रकट किया है। ओली ने नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की है। ओली ने लिखा है कि इस विनाशकारी समय में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी करते हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की राजनीतिक सक्रियता से प्रधानमंत्री ओली नाराज

काठमांडू। उत्तरी पड़ोसी चीन की दस दिवसीय यात्रा से लौटने के कुछ दिनों बाद पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी राजनीतिक रूप से काफी सक्रिय हो गई हैं। राजनीति में अपनी सक्रियता के लिए अभियान शुरू करने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और नेकपा एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के गृह जिला को चुना, जिससे ओली ने अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से जाहिर की है। पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने सीपीएन-यूएमएल की नेता के रूप में अपनी उत्तर की यात्रा पूरी करने के बाद तुरंत झापा की यात्रा की। उनकी सक्रियता से नाराज ओली ने पार्टी कैडर और नेताओं को सख्त हिदायत दी है। ओली ने पिछले दिनों कई बार अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि पार्टी के बाहर के व्यक्ति को पार्टी के बैनर पर कार्यक्रम कराना उचित नहीं है। भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी के लिए पार्टी के कई नेता पैरवी कर रहे हैं। हालांकि, भंडारी ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बहुत सारे संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही राजनीति में लौटेंगी। भंडारी 2015 में देश की राष्ट्रपति बनने से पहले नेकपा एमाले की निर्वाचित उपाध्यक्ष थीं। उन्होंने वैश्विक सभ्यता पहल के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए 24 मई से 2 जून तक उद्योग मंत्री दामोदर भंडारी सहित यूएमएल नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए चीन का दौरा किया था। चीन की यात्रा करने से पहले उन्होंने गंडकी, कोशी और लुम्बिनी जैसे प्रांतों का दौरा किया, जहां उन्होंने राजनीतिक बैठकें कीं।

पाकिस्तान में सीनेट, असेंबली प्रमुख का वेतन 500 फीसद बढ़ा, आलोचना के बाद शहबाज ने वृद्धि रोकी, रिपोर्ट मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सीनेट के चेयरमैन, सीनेट के डिप्टी चेयरमैन, नेशनल असेंबली के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के वेतन में की गई भारी वृद्धि के लिए हुकूमत को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फिलहाल वृद्धि को रोकते हुए रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में वेतन वृद्धि के आधार और तर्कों को विस्तृत रूप से उनके सामने रखा जाए। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आलोचना के बाद सीनेट के चेयरमैन, सीनेट के डिप्टी चेयरमैन, नेशनल असेंबली के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के वेतन में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को गंभीरता से लिया है। चैनल ने सूत्रों के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री ने सीनेट के चेयरमैन और नेशनल असेंबली के स्पीकर से इस वृद्धि के पीछे के तर्कों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट की समीक्षा के बाद प्रधानमंत्री ही इस पर अंतिम निर्णय लेंगे। शहबाज ने सरकारी व्यय पर बढ़ती सार्वजनिक जांच और वित्तीय मामलों में पारदर्शिता की मांग के बीच यह कदम उठाया है। एक दिन पहले रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी नेशनल असेंबली के स्पीकर और सीनेट के चेयरमैन के वेतन में बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की थी। एक्स पर पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता ख्वाजा आसिफ ने कहा था, दोनों सदनों के संरक्षकों के वेतन में वृद्धि वित्तीय अश्लीलता है।रक्षामंत्री आसिफ ने सभी सांसदों से आम आदमी की दुर्दशा पर विचार करने का आग्रह करते हुए कहा, हमारी गरिमा और सम्मान पूरी तरह से आम नागरिक की भलाई पर निर्भर करता है।

आईएमएफ ने नेपाल के आर्थिक सुधारों के लिए 42.7 मिलियन डॉलर को मंजूरी दी

काठमांडू। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और नेपाली अधिकारियों ने विस्तारित ऋण सुविधा (ईसीएफ) के तहत नेपाल के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की छठी समीक्षा पर कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंच गए हैं, जिससे 42.7 मिलियन डॉलर आर्थिक सहयोग देने की सहमति हुई है। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी लंबित समझौते का उद्देश्य नेपाल के विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। निजी निवेश और बुनियादी ढांचे के खर्च को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत उपायों द्वारा समर्थित वित्त वर्ष 2022-26 में नेपाल की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ते गैर-निष्पादित ऋणों और वैश्विक अनिश्चितताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना अभी भी बाकी है।आईएमएफ मिशन प्रमुख सरवत जहां ने कहा, ईसीएफ समर्थित सुधार व्यापक आर्थिक स्थिरता को संरक्षित करने और नेपाल के नीतिगत ढांचे को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय क्षेत्र में सुधारों सहित सुधारों का समय पर निष्पादन महत्वपूर्ण होगा।इस फंडिंग से ईसीएफ के तहत कुल आईएमएफ समर्थन 331.8 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

सिंगापुर के कंटेनर पोत में लगी आग बुझाने को वायु सेना ने छिड़का 2600 किलो ड्राई केमिकल पाउडर

एजेंसी

सिंगापुर। अरब सागर में सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत वान हाई 503 में लगी आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायु सेना को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वायु सेना के एमआई 17वी5 हेलीकॉप्टर ने आज सुबह जहाज की आग बुझाने के लिए 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का। यह एक ऐसी आग थी?, जिसे पारंपरिक तरीकों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता था। वायु सेना का हेलीकॉप्टर भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर अग्निशमन प्रयासों के लिए लगातार मिशन चला रहा है। सिंगापुर के ध्वज वाला कंटेनर पोत वान हाई 503 श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह से 06 जून को रवाना हुआ था, जिसे मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पहुंचना था। इस जहाज पर कुल 22 चालक दल के सदस्यों के साथ कंटेनर कार्गो थे। कोलंबो से न्हावा शेवा की ओर जा रहे जहाज ने 09 जून को सुबह लगभग 09.30 बजे डेक के नीचे विस्फोट होने और बाद में आग लगने की सूचना दी। उस समय यह जहाजकेरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर था।

भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना के पांच जहाज मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। लगातार प्रयासों के चलते 10 जून की शाम तक आग की लपटें कम हो गईं। घने धुएं के बीच जहाज लगभग 10-15 डिग्री झुक गया और कंटेनर पानी में गिरने लगे। भारतीय तटरक्षक बल ने चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बावजूद सिंगापुर के जहाज पर अग्निशमन प्रयासों को जारी रखा। कामयाबी न मिलते देख आज सुबह भारतीय वायु सेना को आग बुझाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

हवाई अग्निशमन अभियान चलाने के लिए भारतीय वायु सेना के एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर पर एक पायलट और दो एयर क्रू गोताखोरों वाली एक विशेष टीम को तैनात किया गया।

मिशन के दौरान टीम ने 1,000 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर को सीधे आग पर छिड़का। जहाज की आग बुझाने के लिए अब तक 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का जा चुका है।

कोच्चि तट के पास पर्यावरणीय जोखिमों को कम करने के लिए आईसीजी स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। हालांकि, जहाज की बाहरी आग को बुझा दिया गया है, लेकिन घना धुआं निकल रहा है, इसलिए आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

तटरक्षक बल और नौसेना के पांचों जहाज भी आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए हाई अलर्ट पर हैं। जहाज को तट से दूर खींचने और संभावित पारिस्थितिक आपदा को टालने के लिए एक टोलाइन को जहाज से जोड़ने के प्रयास चल रहे हैं। एक आईसीजी हेलीकॉप्टर ने बचाव दल के पांच सदस्यों और एक एयर क्रू गोताखोर को जलते हुए जहाज पर उतारा है, ताकि टोइंग प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जा सके।

ओमान में रविवार को होगी ईरान-अमेरिका के बीच छठे दौर की वार्ता

एजेंसी

मस्कट। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को लेकर चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत का छठा दौर रविवार को ओमान की राजधानी मस्कट में आयोजित किया जाएगा। इस बात की जानकारी ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की। अलबुसैदी ने बताया कि ओमान की मध्यस्थता में अब तक ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल अप्रैल से अब तक पांच दौर की बातचीत कर चुके हैं, जिनमें से तीन बैठकें मस्कट और दो रोम में हुई थीं। इन बातचीतों का मुख्य उद्देश्य तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पारदर्शिता बढ़ाना और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील के रास्ते तलाशना है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने पुष्टि की है कि मध्यपूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ परमाणु वार्ता के छठे दौर के लिए रविवार को मस्कट की यात्रा करेंगे। बयान में कहा गया है कि पिछले दौर की तरह ही यह वार्ता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से होगी। हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार यह मांग की है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन की प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त करे। हालांकि, तेहरान ने इस मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है और कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी

एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की। इसमें कहा गया, ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। उल्लेखनीय है कि इजराइल की सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए।

इस्तांबुल वार्ता का असर: रूस और यूक्रेन ने की घायल और बीमार सैनिकों की अदला-बदली

एजेंसी

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे संघर्ष के बीच मानवीय पहल का एक और उदाहरण सामने आया है। गुरुवार को दोनों देशों ने बीमार और गंभीर रूप से घायल युद्धबंदियों का आदान-प्रदान किया। यह अदला-बदली ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच कैदियों और मारे गए सैनिकों के अवशेषों को लेकर अहम वार्ता हुई थी।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर साझा किए गए एक संदेश में पुष्टि की कि यूक्रेन के सभी लौटे सैनिकों को तत्काल चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता है। हालांकि, उन्होंने इस अदला-बदली में शामिल सैनिकों की संख्या का उल्लेख नहीं किया। इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद से रूस और यूक्रेन ने कई बार युद्धबंदियों की अदला-बदली की है, जिसमें मुख्य रूप से 25 वर्ष से कम उम्र के, गंभीर रूप से घायल और बीमार सैनिक शामिल रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह आदान-प्रदान युद्ध के

दौरान अब तक की सबसे बड़ी मानवीय पहलों में से एक बन सकता है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रूस के कई सैनिक यूक्रेन से लौटकर बेलारूस के रास्ते स्वदेश पहुंचे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि इन सैनिकों को आवश्यक मनोवैज्ञानिक और चिकित्सकीय सहायता प्रदान की जा रही है। इससे एक दिन पहले, बुधवार को यूक्रेन ने कहा था कि उसने युद्ध के दौरान मारे गए अपने 1212 सैनिकों के शव वापस लाए हैं। वहीं क्रेमलिन के सलाहकार व्लादिमीर मेदिन्स्की ने जानकारी दी कि यूक्रेन ने रूस को उसके 27 सैनिकों के शव सौंपे हैं।

अयातुल्ला खामेनेई ने कहा-इजराइल हो जाए तैयार, चार सैन्य अफसरों और परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या का बदला लेगा ईरान

एजेंसी

तेहरान। इजराइल के हवाई हमलों से ईरान में हाहाकार मच गया है। इजराइल की सेना ने परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए। तेहरान टाइम्स अखबार के अनुसार, खामेनेई ने आधिकारिक संदेश में शुक्रवार सुबह तेहरान में इजराइल के हमलों में कम से कम चार ईरानी सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि ईरान के इस्लामी क्रांति रक्षक कोर (आईआरजीसी) के कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी, खतम अल-

अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के कमांडर मेजर जनरल घोलम अली राशिद, ईरान के परमाणु वैज्ञानिक, पूर्व परमाणु प्रमुख फेरेदून अब्बासी और मोहम्मद मेहदी तेहरानची की हत्या का बदला लिया जाएगा। सैय्यद अली खामेनेई ने कहा कि आज सुबह के शुरुआती घंटों में जायोनी शासन ने ईरान में अपराध कर अपने हाथ खून से सान लिए हैं। आवासीय केंद्रों को निशाना बनाया है। जायोनी शासन को कड़ी सजा का इंतजार करना चाहिए। इस्लामी गणतंत्र ईरान के सशस्त्र बलों का शक्तिशाली हाथ उठेगा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, खामेनेई ने कहा कि इजराइली शासन ने ईरान पर रात भर के हमलों के साथ अपने लिए एक कड़वी और दर्दनाक नियति तय कर ली है। उसे अब कठोर दंड का इंतजार करना होगा। तस्वीरों में राजधानी के कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त आवासीय इमारतें दिखाई दे रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और सरकारी टीवी के रिपोर्टरों ने बताया कि उन्होंने पीड़ितों में महिलाओं और बच्चों के शव देखे हैं।

ढाका में सुप्रीम कोर्ट और महत्वपूर्ण स्थानों के आसपास शनिवार से सभा और जुलूस पर प्रतिबंध

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के सभी प्रमुख स्थानों के आसपास सार्वजनिक सभा करने और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त ने आज इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी। यह प्रतिबंध शनिवार से अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार यह प्रतिबंध बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास, न्याय भवन, न्यायाधीश परिसर,सुप्रीम कोर्ट के

मुख्य द्वार, मजार गेट, जामे मस्जिद गेट, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण 1 और 2 के प्रवेश द्वार और न्यायिक प्रशासन प्रशिक्षण संस्थान भवन सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर भी लागू रहेगा। डीएमपी ने गुरुवार को सार्वजनिक नोटिस भी जारी किया है। डीएमपी आयुक्त एसएम सजात अली ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस अध्यादेश (अध्यादेश संख्या की धारा 29 में निहित शक्तियों के आधार पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के हित में क्षेत्रों में सभी प्रकार की बैठकें, रैलियां, जुलूस और प्रदर्शन आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया। इसमें कहा गया है कि विभिन्न मांगों और विरोध कार्यक्रमों के नाम पर सड़कों को अवरुद्ध करके यातायात को बाधित न करें।

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है।

इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन

इस बीच अमेरिका के %एबीसी न्यूज% चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार

ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की। कैट्ज ने बयान में कहा, ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है। उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने वाशिंगटन में कहा कि अमेरिका का इसमें कोई हाथ नहीं है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स प्रमुख होसैन सलामी मारे गए

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शोध वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए। संयुक्त राज्य अमेरिका का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने बयान में कहा कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। अमेरिका ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं है।

इजराइल : हाइफा में युद्ध विरोधी प्रदर्शन पर कार्रवाई, तीन प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी

हाइफा। इजराइल के हाइफा शहर में हुए एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तीन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि यह प्रदर्शन गैरकानूनी था और इससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका थी। इजराइली पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने बेन गुरियन स्ट्रीट पर इकट्ठा होकर गाजा युद्ध में इजराइल की कार्रवाईयों की निंदा करते हुए नारे लगाए और पोस्टर लहराए, जिससे जनता की शांति भंग हो सकती थी।पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की। बयान में कहा गया, ÷इजराइली पुलिस लोकतांत्रिक राज्य की बुनियादी विशेषता के रूप

में प्रदर्शन के अधिकार को मान्यता देती है, लेकिन यह अधिकार तभी तक मान्य है जब तक वह कानून के दायरे में हो। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि हम किसी भी प्रकार के असामाजिक व्यवहार, सार्वजनिक मार्ग में बाधा, या ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे जो जनता की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा बने। प्रदर्शनकारियों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें कब तक हिरासत में रखा जाएगा।

नेपाल-भारत के बीच कनेक्टिविटी और संयुक्त साझेदारी से ही समृद्धि संभव : विदेश मंत्री डॉ. राणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने इस बात पर जोर दिया कि नेपाल और भारत गहरी कनेक्टिविटी और संयुक्त साझेदारी के माध्यम से साझा समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। काठमांडू में गुरुवार को नेपाल-भारत रणनीतिक वार्ता में उन्होंने मजबूत आर्थिक और बुनियादी ढांचे के संबंधों के माध्यम से व्यापार, पारगमन और निवेश संबंधों को बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. राणा ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की, जहां अदरक जैसे नेपाली उत्पाद 24 घंटों के भीतर भारतीय बाजारों तक पहुंच जाएं और भारतीय पर्यटक एक दिन में दिल्ली से पोखरा के लिए उड़ान भर सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध घनिष्ठ सहयोग और संपर्क की नींव बनाते हैं, जो आपसी समृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं। सड़क मार्गों, रेलवे, जलमार्गों, हवाई मार्गों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि निर्बाध कनेक्टिविटी से सीमा पार व्यापार, पारगमन और क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को लाभ होगा। उन्होंने अगले दशक में नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली आयात करने की भारत की प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए ऊर्जा सहयोग को एक प्रमुख सफलता के रूप में इंगित किया।

यूरोपीय संघ ने कहा- यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना जरूरी, रूस पर कड़ा रुख अपनाने के दिए संकेत

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह न केवल यूक्रेन की संप्रभुता के साथ खड़ा है, बल्कि रूस को आर्थिक और सामरिक दोनों मोर्चों पर घेरने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री परिषद की बैठक में सहमति बनी कि यदि रूस गंभीर और विश्वसनीय प्रतिबद्धताएं नहीं दिखाता है, तो उस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। खासकर ऊर्जा और बैंकिंग क्षेत्र में। यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिकों ने गुरुवार को मंत्री परिषद की बैठक के बाद एक साझा प्रेस वार्ता में यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन को सबसे मजबूत स्थिति में लाना अब उनकी प्राथमिकता है। यूरोपीय विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने कहा, यह बैठक यह दिखाती है कि हमारी रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। कैलास ने यूरोपीय संघ के 800 अरब यूरो के पुनर्सशस्त्रीकरण

(रिआर्म) कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि रूस एक खतरनाक शक्ति है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय है। उन्होंने कहा, रूस केवल ताकत को समझता है। ऐसे में मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी रणनीति होनी चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि यह रूस पर लगाया गया 18वां प्रतिबंध पैकेज है और अभी और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने दो टूक कहा कि रूस की अर्थव्यवस्था खून बहा रही है, लेकिन हमें मास्को की सेना तक नकदी के प्रवाह को और भी अधिक रोकना होगा। पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की ने यूरोपीय सहयोगियों से सुरक्षा और रक्षा खर्च में ठोस बढ़ोतरी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यूरोपीय स्तंभ को मजबूत करना और रक्षा प्रतिबद्धताओं को पक्का करना अब हमारी साझेदारी के लिए निर्णायक है। इस मौके पर यूक्रेन के विदेश मंत्री अंद्रीय सिबीहा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर और अधिक दबाव बनाने की अपील करते हुए कहा है कि अब केवल दबाव की कूटनीति ही मास्को को शांति के लिए विवश कर सकती है। उन्होंने कहा कि डिप्लोमेसी और तुष्टिकरण जैसी रणनीतियां रूस पर असर नहीं करतीं। रूस और पूरी दुनिया के लिए खतरा बने इस रवैये को केवल दबाव के जरिए ही खत्म किया जा सकता है।

स्वस्थ रहने के लिए ये हैं बेहतर फूड

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी नहीं किसी एक ही चीज खो आप लम्बे समय तक खाते रहें। इसके लिए बहुत से आप्शंस मौजूद हैं, जिन्हें आप आजमा कर आप स्वस्थ रह सकते हैं। दरअसल इंसान का स्वभाव है कि वह किसी एक फल या फूड को लम्बे समय तक खाते रहने से बोर हो जाता है, इसी के मद्देनजर कुछ हेल्दी फूड आप्शंस के बारे में हम आपको यहां जानकारी दे रहे हैं। इससे दिमाग भी ठीक रहेगा, इम्यूनिटी भी स्ट्रॉन्ग होगी।

नारियल का तेल : केमिकल रिफाइनिंग या ब्लीचिंग प्रॉसेस न होने के कारण ये खाने के लिए फिट होता है। इसमें लॉरिक फैटी एसिड होता है। जो अच्छा एंटी वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी- फंगल एजेंट है। यूनिर्वसटी ऑफ केरल में की गई रिसर्च के अनुसार, वर्जिन कोकोनट ऑयल सीरम और टिश्यू में लिपिड लेवल कम करता है। सलाद में डालकर खाएं।

मटर फली कैंसर दूर भगाने में फायदेमंद : यह फ्लैट पीज हैं। इनमें एडिबल पॉड्ज होते हैं और इन्हें सीधे खाया जाता है। इनमें खास किस्म का फायटोन्यूट्रियंट-कूमिस्ट्रॉल होता है। यह पेट के कैंसर से सुरक्षित रखता है। हफ्ते में दो बार जरूर खाएं।

चियासीड: ओमेगा-3 फैट्स का रिच प्लांट बेस्ड सोर्स है। रिसर्च के अनुसार, ओमेगा-3 फैट्स दिमाग, दिल और स्किन के लिए फायदेमंद होता है। सुपरमार्केट में चिया सीड के पैकेट मिलते हैं। इन्हें खाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं। बस इन्हें भिगो दीजिए, मिक्सी में ग्राइंड कीजिए और सीधा खा लें। चाहे तो सलाद और सूप पर डालें।

प्रीबायोटिक्स फूड : 80 दिनों तक प्रीबायोटिक (लहसुन, प्याज आदि) खाते हैं, उनमें बीमारी की आशंका 42 फीसद कम होती है। उन्हें रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन या गैस्ट्रो-इन्टेस्टाइनल डिसीज कम होती हैं। इम्यूनिटी सुधर जाती है। प्रीबायोटिक फूड में लाइव माइक्रोब्स होते हैं, जो गुड बैक्टीरिया की ग्रोथ बढ़ाते हैं।

हेजलनट्स : हैजलनट्स (पहाड़ी बादाम) एमीनो एसिड के अच्छे सोर्स हैं। इनसे ब्लड प्रेशर कम होता है और ब्लड वैसल रिलैक्स। इसमें विटामिन-ई और विटामिन-बी पाए जाते हैं। 15 से 20 नट्स ही खाएं। योगर्ट के साथ मिलाकर इसे खा सकते हैं।

होल ग्रेन करे पेट का फैट कम : पेंसिलवेनिया स्टेट यूनिर्वसटी में हुई रिसर्च के अनुसार, होल ग्रेन्स खाने से दोगुनी तेजी से पेट का फैट कम होता हैं। होल ग्रेन से इंसुलिन का प्रोडक्शन कम होता है, जिससे वजन नहीं बढ़ता। यूनिर्वसटी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंसेस सेंटर द्वारा किए गए शोध के अनुसार, हर रोज होलग्रेन खाने से हार्ट फेल होने की आशंका 7 फीसद कम हो जाती है।

बेरीज भी रखे स्वस्थ : एक दिन में चार से पांच प्रकार के फल-सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है। आधा कप बेरीज में सिर्फ 50 कैलोरी होती है। एंटी-ऑक्सीडेंट का सबसे अच्छा सोर्स होने के कारण बेरीज को डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है। एंटी-ऑक्सीडेंट फ्री-रेडिकल डैमेजिंग से बचाता है। फ्रोजन बेरीज भी उतनी ही स्वादिष्ट और न्यूट्रिशनल होती हैं, जितनी फ्रेश बेरीज।

दौड़ने से तेज होता है दिमाग, बढ़ती है याददाश्त

वॉशिंगटन। दौड़ने से शरीर के चुस्त और तंदरूस्त होने के बारे में तो आप सबको पता है लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि यह सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि दिमागी कसरत भी है, जिससे हमारी याददाश्त बढ़ती है।

'अमेरिकी जर्नल सेल मोटाबोलिज्म' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दौड़ने के बाद चूहों, बंदरों और मनुष्यों के खून में ''कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग को अधिक सक्रिय करता है। 'अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट' के न्यूरोसाइंटिस्ट और वरिष्ठ शोधकर्मा हेनरिट्टे वान प्राग ने कहा, 'जांच के दौरान हमने देखा कि एक प्रोटीन मांसपेशियों के उत्तकों से स्त्रवित होकर दिमाग की ओर बढ़ रहा है और मजेदार बात यह थी कि यह 'कैथेप्सीन बी' नामक प्रोटीन था। शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है। ऐसा करने पर पाया गया कि इसमें प्रोटीन 'कैथेप्सीन बी' के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है। कसरत के उपकरण पर रोजाना कई हफ्तों तक समय गुजारने के दौरान पाया गया कि चूहों के खून और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रोटीन का स्तर अधिक है। इसके साथ ही, जब 'कैथेप्सीन बी' को दिमाग के कोशिकाओं पर लागू किया गया तो पाया कि मस्तिष्क की नई कोशिकाओं का निर्माण हो रहा है। शोध के दौरान ''कैथेप्सीन बी' स्त्रवित करने वाले चूहों और इसे स्त्रवित नहीं करने वाले चूहों के बीच एक सप्ताह तक पानी के अंदर कई स्लैब की मदद से भूलभुलैया खेल का आयोजन किया गया। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि बिना 'कैथेप्सीन बी' वाला चूहे छिपे प्लेटफार्म का पता लगाने में असफल रहे जबकि 'कैथेप्सीन बी' की क्षमतावाले चूहे को रोजाना तैराकी से पहले दौड़ाया गया तो वह इस प्लेटफार्म का पता लगाने में सफल रहे। जर्मन शोधकर्ताओं के साथ इस अध्ययन के सहयोगी प्राग ने कहा, 'अध्ययन के दौरान हमने तीन प्रजातियों-चूहा, बंदर और मनुष्यों के खून में 'कैथेप्सीन बी' को अनियंत्रित देखा। उन्होंने कहा, 'मनुष्यों में चार महीनों के लगातार अध्ययन के बाद ''कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त को बेहतर पाया गया। अन्य अध्ययनों में पाया गया कि ''कैथेप्सीन बी' न्यूरोप्रोटेक्टिव है और यह एमीलॉयड प्लेक्स को साफ कर सकता है। शोधकर्ता अब यह पता लगाएंगे कि 'कैथेप्सीन बी' कैसे दिमाग की रक्त बाधाओं को पार करती है, कैसे यह न्यूरोनल संकेत, वृद्धि और जुड़ाव को सक्रिय करती है। इसके साथ ही वह यह भी पता लगाएंगे कि इसकी विभिन्न प्रजातियों में कैसा व्यवहार होता है और उम्र के साथ-साथ प्रोटीन के उत्पादन में कैसे बदलाव आता है।

> दौड़ने के बाद खून में 'कैथेप्सीन बी' प्रोटीन दिमाग को अधिक सक्रिय करता है
>
> शोध के दौरान मांसपेशी की कोशिका को उस उपकरण के संपर्क में लाया गया, जो कसरत की तरह ही प्रभाव छोड़ता है
>
> मनुष्यों में चार महीनों के अध्ययन के बाद 'कैथेप्सीन बी' के स्तरों में वृद्धि के साथ-साथ उनकी याददाश्त बेहतर पाई गई

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

गुरू और चेला दोनों अव्वल दर्जे के आलसी थे। एक रात गुरू ने चेले से कहा- जरा देख, बाहर बारिश हो रही है क्या।

चेला बोला- बारिश हो रही है।

गुरू- देखे बैगर कैसे कहता है।

चेला बोला- गुरू जी अभी-अभी जो बिल्ली अंदर आई है, वह भीगी हुई है, तो बारिश हो रही है।

पांच मिनट बाद गुरू ने फिर कहा- अच्छा जरा बत्ती बुझा दे।

चेला बोला- गुरूजी आंखे बंद कर लो, अपने आप अंधेरा हो जाएगा।

गुरूजी ने झल्लाते हुए कहा- चल जरा उठकर दरवाजा तो बंद कर दे।

चेला बोला- गुरूजी, अब दो काम मैंने कर दिए। तीसरा तो आप कर लीजिए।

□ □ □

पागालखाने के दौरे पर आए मंत्री ने डाक्टर से कहा, ''जिस मनोरोगी से मिलवाकर आपने मुझे कहा था कि उसकी हालत में काफी सुधार हुई है, वह तो अपने आपको सन्नी दयोल कहा रहा था।''

डाक्टर, ''बड़ा सुधार हुआ है सर जब वो नया-नयायहां लाया गया था तो अपने आप को धर्मेन्द्र कहता था।''

काकुरो पहेली - 4084

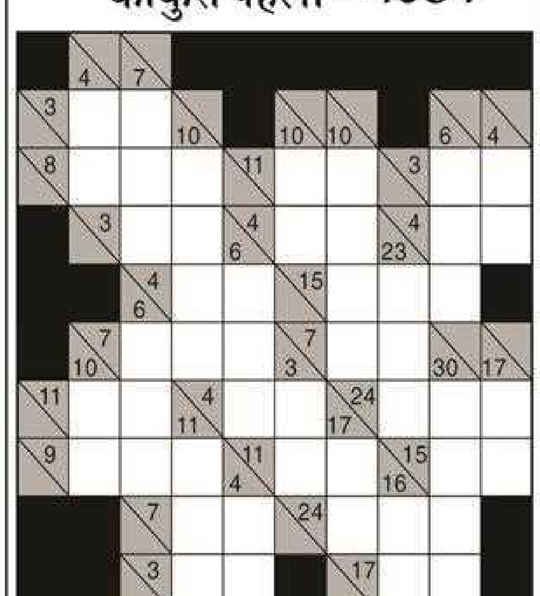

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

1 2 3 4 5 (15); 7 8 9 (24)

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4083 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4084

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4083

सूडोकु -4084

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4083 हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 4084

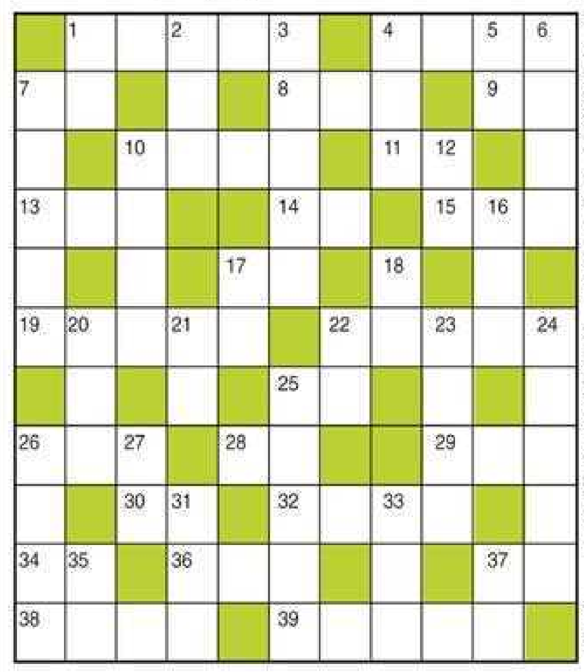

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -4083 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।